संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -355 रविवार ,27 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भारत और कनाडा में फिर टकराव

» कनाडा ने एनआइए को नहीं दिया खालिस्तानी आतंकी निज्जर का डेथ सर्टिफिकेज़..

» आखिर क्या छिपा रही ट्रूडो सरकार ?

» एनआइए से निज्जर का मृत्यु प्रमाणपत्र मांगने का पूछा कारण

» पन्नू से जुड़े छह मामलों की जांच कर रही एनआईए

भारत ने सभी आरोपों को बताया बेबुनियाद

हालांकि उन्होंने इसे लेकर कोई साक्ष्य नहीं दिया है। भारत ने सभी आरोपों को बेबुनियाद करार दिया है और कनाडा पर अपने देश में चरमपंथी और भारत विरोधी तत्वों को जगह देने का आरोप लगाया है। कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने स्वीकार किया कि उनकी सरकार ने कनाडा की धरती पर निज्जर की हत्या के संबंध में भारत को ठोस साक्ष्य नहीं बल्कि सिर्फ खुफिया जानकारी दी थी।

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2024 (ए)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर का मृत्यु प्रमाणपत्र कनाडा ने अभी तक नहीं दिया है। कई महीने पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने निज्जर का मृत्यु प्रमाणपत्र मांगा था। सूत्रों ने बताया कि कनाडा सरकार ने एनआइए से निज्जर का मृत्यु प्रमाणपत्र मांगने का कारण पूछा है। निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। निज्जर कनाडा का नागरिक था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 2020 में उसे आतंकी घोषित किया था। इस मामले को लेकर भारत और कनाडा के बीच संबंध उस समय से बेहद खराब हो गए हैं जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था।

पन्नू से जुड़े छह मामलों की जांच कर रही एनआईए

इस बीच, एनआइए एक अन्य खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू से जुड़े छह मामलों की जांच कर रही है। एनआइए ने अब तक चंडीगढ़ में पन्नू की तीन संपत्तियों को जब्त किया है। अमृतसर में भी उससे जुड़ी कई जमीन जब्त की गई हैं। पन्नू को भी भारत ने आतंकी घोषित कर रखा है। उसके पास अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता है।

कनाडा से भारत लौटे राजनयिक ने खोली पोल

हाल ही में कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त रहे संजय वर्मा ने ट्रूडो सरकार की पोल खोल दी है। संजय वर्मा ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर से लेकर खालिस्तानियों को लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ बड़ा विश्वासघात हुआ है। कनाडा ने पीठ पर छुरा घोंपा है।

आधार कार्ड पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

डेट ऑफ बर्थ के प्रमाण के रूप में मानने से किया इंकार

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2024 (ए)। भारत के नागरिकों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, वोटर आईडी, पैन कार्ड, आधार कार्ड जैसे दस्तावेज जीवन के एक अहम हिस्सा बन गए है। इनमें आधार कार्ड सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला दस्तावेज है, जो लगभग 90त भारतीय नागरिकों के पास मौजूद है। आधार कार्ड का प्रयोग पहचान, पते और विभिन्न सरकारी कामों में सहायक दस्तावेज के रूप में किया जाता है। इसके अलावा,कई लोग इसे जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में भी इस्तेमाल करने लगे हैं। लेकिन इस पर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए आधार कार्ड को जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में मान्यता देने से इनकार कर दिया है। यह मामला एक मृत व्यक्ति के परिवार को मुआवजा देने से जुड़ा था, जिसमें पहले पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने आधार को जन्म तिथि का प्रमाण माना था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस संजय करोल और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने इस निर्णय को खारिज कर दिया, और आधार को जन्म तिथि का प्रमाण मानने से मना कर दिया।

यूआईडीएआई की जानकारी

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने पिछले साल अक्टूबर में एक अधिसूचना जारी की थी, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि आधार कार्ड का उपयोग केवल पहचान पत्र के रूप में किया जा सकता है, न कि जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में।
इस फैसले से स्पष्ट होता है कि आधार कार्ड को जन्म तिथि का प्रमाण मानना गलत है, और इसे केवल पहचान के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट

» पीएम मोदी और अमित शाह समेत 40 नेताओं के नाम

मुंबई,26 अक्टूबर 2024 (ए)। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत 40 नेताओं को जगह दी गई है।
जानकारी के मुताबिक, इस लिस्ट में सबसे पहला नाम पीएम मोदी का है, जो 7 से 14 नवंबर के बीच 10 रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा स्टार प्रचारकों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम भी है।
लिस्ट में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का नाम शामिल हैं।
इसके अलावा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पीयूष गोयल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, मुरलीधर मोहोल और भाजपा के संयुक्त सचिव शिव प्रकाश को भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में जगह दी गई है।
महाराष्ट्र भाजपा के नेताओं को भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है। इनमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद नारायण राणे, अशोक चव्हाण, पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे, उदयनराजे भोसले, विनोद तावड़े, आशीष शेलार, पंकजा मुंडे, चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, राधाकृष्ण विखे-पाटिल, गिरीश महाजन और रवींद्र चव्हाण का नाम शामिल हैं।
वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है। इसके अलावा प्रवीण दारेककर और संजय कुटे, अमर साबले, अशोक नेटे और नवनीत राणा भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं।

कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी सूची,23 नाम शामिल

मुंबई,26 अक्टूबर 2024 (ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की तैयारी में सभी राजनीतिक दल तेजी से जुट गए हैं। भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने अपने कुछ उम्मीदवारों के नाम पहले ही घोषित कर दिए हैं। अब कांग्रेस ने भी अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है, जिसमें 23 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं।

निम्न उम्मीदवारों को मिला कांग्रेस का टिकट

कांग्रेस के बयान के अनुसार, केंद्रीय चुनाव समिति ने आगामी चुनावों के लिए जिन प्रमुख सदस्यों को उम्मीदवार के रूप में चुना है, वे हैं:-
भुसावल- एससी से डा. राजेश तुकाराम मानवटकर
जलगांव (जामोद) से डा. स्वाति संदीप वाकेकर
अकोट- महेश गंगाने
वर्धा- शेखर प्रमोदबाबू शेंडे
सावनेर- अनुजा सुनील केदार
नागपुर दक्षिण- गिरीश कृष्णराव पांडव
कामठी- सुरेश यादवराव भोयर
बांद्रा एससी- पूजा गणेश ठवकर
अर्जुनी मोरगांव एससी- दलीप वामन बंसोड
आमगांव एसटी- राजकुमार लोटुजी पुरम
रालेगांव- प्रो. वसंत चिंदुजी पुरके
यवतमाल- अनिल बालासाहेब शंकरराव मंगुलकर
अरनी एसटी-जीतेन्द्र शिवाजीराव मोघे
उमरखेड़- एससी- साहेबराव दत्तराव कांबले
जलना- कालियास किसनराव गोरटंट्याल
औरंगाबाद पूर्व- मधुकर कृष्णराव देशमुख
वसई- विजय गोविंद पाटिल
कांदिवली पूर्व- कालू बधेलिया
चारकोप- यशवंत जयप्रकाश सिंह
सायन कोलीवाड- गणेश कुमार यादव
श्रीरामपुर (एससी)- हेमन्त ओगले
निलंगा- अभयकुमार सतीशराव सालुंखे
शिरोल- गणपतराव अप्पासाहेब पाटिल

विधायक के भतीजे की शिकायत करना पड़ा महंगा

» मिलने लगी धमकी तो तहसील दफ्तर पहुंचकर खुद पर डाला पेट्रोल...

» तहसीलदार ने बुला ली पुलिस...

टीकमगढ़,26 अक्टूबर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में विधायक के भतीजे से प्रताड़ित होकर एक युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। पीड़ित खुद पर पेट्रोल डालकर तहसील ऑफिस पहुंच गया और आत्मदाह करने की कोशिश करने की तैयारी करने लगा। इसकी सूचना मिलते ही तहसीलदार समेत अन्य लोगों के होश उड़ गए। सभी ने इसे बचाया और पानी डालकर नहलाया।मामला पलेरा तहसील का है।पीड़ित हल्के साहू का आरोप है कि जतारा विधानसभा से विधायक हरिशंकर खटीक के भतीजे अतुल खटीक उसे धमकियां दे रहे हैं। उसने इसे लेकर कई बार आवेदन दिया, लेकिन शिकायत का समाधान नहीं हुआ। जिसके बाद उसने अंत में अपने प्राण देने की सोची और पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने तहसील कार्यालय ले गया। घटना के दौरान तहसीलदार अवंतिका तिवारी ने फौरन पुलिस को बुला लिया और उसकी जान बचाई।

ईडी ने बिचौलिए की 163 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

कोलकाता ,26 अक्टूबर 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में 163.20 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।ईडी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि यह जब्ती पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी स्कूलों के लिए ग्रुप-सी और ग्रुप-डी श्रेणियों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में चल रही जांच के संबंध में है।
बयान के अनुसार, ईडी अधिकारियों ने जिन संपत्तियों को जब्त किया है, वे मामले में मुख्य बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय, उनकी पत्नी और रॉय से जुड़ी एक कॉर्पोरेट इकाई के नाम पर थीं।
बयान के अनुसार, ईडी ने पश्चिम बंगाल में डब्ल्यूबीएसएससी के अधिकारियों द्वारा किए गए ग्रुप सी और डी स्टाफ भर्ती घोटाले में 163.20 करोड़ रुपये के होटल/रिसॉर्ट और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ये संपत्तियां मुख्य बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय, उनकी पत्नी काजल सोनी रॉय और प्रसन्ना कुमार रॉय द्वारा नियंत्रित कंपनी श्री दुर्गा डीलकॉम प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर थीं। इस मामले में अब तक कुल 544.8 करोड़ रुपये की कुर्की/जब्ती की गई है।÷स्कूल में नौकरी के बदले नकदी मामले की जांच शुरू करने वाले केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों द्वारा पहली बार गिरफ्तार किए जाने के बाद रॉय फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।वर्तमान में रॉय न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने पहले स्कूल में नौकरी के बदले नकदी मामले की जांच शुरू की थी।
स्कूल नौकरी मामले में ईडी और सीबीआई साथ-साथ जांच कर रहे हैं, जिसमें शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताएं शामिल हैं। रॉय, उनकी पत्नी और रॉय से जुड़ी कॉर्पोरेट संस्थाओं के नाम पर विभिन्न खातों की फॉरेंसिक ऑडिट भी की गई।रॉय के पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी के साथ पारिवारिक संबंध हैं, जो स्कूल नौकरी मामले में कथित संबंधों के कारण इस समय न्यायिक हिरासत में हैं।

लॉरेंस बिश्नोई इंटरव्यू: बड़ा एक्शन हुआ, दो डीएसपी सहित 7 पुलिसकर्मी निलंबित

मोहाली,26 अक्टूबर 2024 (ए)। लॉरेंस बिश्नोई इंटरव्यू मामले में पंजाब की भगवंत मान सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डीएसपी गुरशेर सिंह संधू समेत छह अन्य पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इन सभी को 3 अप्रैल 2022 को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का साक्षात्कार आयोजित करने का दोषी पाया गया। लॉरेंस तब सीआईए पुलिस स्टेशन, खरड़ में बंद था। ड्यूटी में कोताही और लापरवाही बरतने के आरोप में इन सभी को सस्पेंड किया गया है। करीब डेढ़ साल हुआ लॉरेंस का यह इंटरव्यू एक टीवी चैनल पर चला था जो खूब वायरल हुआ। इसके बाद पंजाब सरकार और पुलिस की काफी किरकिरी हुई थी। मोहाली के डीएसपी स्पेशल ऑपरेशन सेल गुरशेर सिंह संधू के अलावा जिन और पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है उनमें शामिल हैं- 1.समर वनीत, पीपीएस, डीएसपी 2.सब इंस्पेक्टर रीना, सीआईए, खरड़ 3.सब इंस्पेक्टर (एलआर) जगतपाल जांगू, एजीटीएफ 4.सब इंस्पेक्टर (एलआर) शगनजीत सिंह 5.एएसआई मुख्तियार सिंह 6. एचसी (एलआर) ओम प्रकाश।

नागिन का एक और इंतकाम,एक-एक कर सांप ने किया छठवां शिकार

» कांप उठा इलाका, डर के मारे कुछ तो...

हापुड़,26 अक्टूबर 2024 (ए)। काली रात में एक सांप (नागिन) काल बनकर एक के बाद एक छठवां शिकार किया है। नागिन इससे पहले 5 लोगों को डस चुकी है, जिनमें से 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं नागिन ने इस बार एक महिला को डसा, जिससे वह बेहोश हो गई और परिवार वालों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज जारी है। लगातार हो रही घटना को देखते हुए गांव के लोग डर के साए में जी रहे हैं। कुछ तो घर छोड़कर रिश्तेदारों के घर चले गए हैं। पूरा मामला सदरपुर गांव का है। जहां नागिन ने सबसे पहले महिला और उसके 2 बच्चों को डसा था। उसके बाद सोमवार को घर में सो रहे युवक को सांप ने डसा।. दूसरे दिन मंगलवार की रात घर में सो रही एक महिला को भी डसा. वहीं अब शुक्रवार की रात को भी नागिन ने घर में काम कर रही महिला को डस लिया. जिसके बाद परिजनों ने बिना देरी किए उसको अस्पताल में भर्ती कराया और मामले की जानकारी वन विभाग को भी दी।
वहीं घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कई घंटों तक सांप की खोजबीन की। इस दौरान सांप मिल गया, जिसे पकड़ लिया गया. हालांकि, इसके बाद भी लोगों में डर कम होता नहीं दिखाई दे रहा है। लोगों का मानना है कि इलाके में कई सांप हैं।

दोस्त के कहने पर युवक ने सुहागरात का बनाया वीडियो

शाहजहांपुर,26 अक्टूबर 2024 (ए)। एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जहां एक युवक के दोस्त ने उसको पत्नी के साथ सुहागरात का प्राइवेट वीडियो रिकार्ड करने कहा। उसके बाद युवक ने वैसे ही किया। लेकिन उसे क्या पता था कि उसका दोस्त धोखे से वीडियो हासिल कर लेगा और उले ब्लैकमेल करेगा। अब युवक ने अपने दोस्त के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। एक युवक ने अपने दोस्त के कहने पर अपनी वाइफ के साथ सुहागरात का वीडियो बना लिया। उसके बाद उसके दोस्त ने एक दिन उसके मोबाइल से वीडियो ले लिया और फिर उसे ब्लैकमेल कर पैसे मांगने लगा। हालांकि, पीड़ित ने उसे कई दफा पैसे भी दिए। इतना ही नहीं पैसे न देने पर दगाबाज दोस्त ने वीडियो को सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी भी दी। वहीं ब्लैमेलिंग से परेशान युवक ने अंत में पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए दोस्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. आरोपी की पहचान शिवम मिश्रा के रूप में हुई है।

संपादकीय

रोशनी में रैंकिंग्स का सच-झूठ

मोदी सरकार को विश्वसनीय आंकड़ों से खास गुरेज है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो रैंकिंग्स का सच-झूठ खुद जाहिर हो जाएगा। पिछले हफ्ते ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी हुआ। हर साल की तरह भारत में यह राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना। हालांकि इस बार भारत की रैंकिंग में कुछ सुधार दिखा- भारत 111 वें से 105 वें स्थान पर चला आया- मगर यह रैंक भी बहुत नीचे है, इसलिए यह इंडेक्स नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने का फिर से औजार बना। मोदी सरकार का नजरिया ऐसी रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर देने का रहा है। सरकार ऐसे सूचकांकों के लिए आंकड़े इकट्ठे करने के तरीके पर सवाल खड़े करती है। जबकि ऐसा नहीं है कि उसे ऐसे हर इंडेक्स से गुरेज हो। जिन रैंकिंग्स में भारत की बेहतर सूरत दिखे, उसका इस सरकार द्वारा धुआंधार प्रचार भी किया जाता है। अपने आरंभिक वर्षों में विश्व बैंक के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत का दर्जा उछलने को उसने अपनी खास उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया था।लेकिन जल्द ही विशेषज्ञों ने उस सूचकांक की खामियां स्पष्ट कर दीं। भारत सहित कई देशों पर उसे को सुनियोजित ढंग से प्रभावित करने के आरोप लगे। विवाद इतना बढ़ा कि विश्व बैंक ने वह सूचकांक तैयार करना ही छोड़ दिया। उधर गुजरे दस साल में मानव विकास एवं लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं संबंधी तमाम सूचकांकों पर भारत की बदतर तस्वीर उभरी है। वैसे विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कई सूचकांक गहन शोध पर आधारित नहीं होते। वे फैलते गए एनजीओ कल्चर का हिस्सा हैं। फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए एनजीओ इन्हें हर साल जल्दबाजी में तैयार कर देते हैं।मगर हकीकत यह भी है कि इन सूचकांकों को दुनिया भर के मीडिया में खूब प्रचार मिलता है। देशों की छवि इनसे बनती बिगड़ती है। तो हल क्या है? समाधान यह है कि भारत अपने हर क्षेत्र के बारे में विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त आंकड़े खुद जारी करे। मगर मोदी सरकार को ऐसे आंकड़ों से खास गुरेज रहा है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो विश्वसनीय आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो उनकी रोशनी में रैंकिंग्स का सच-झूठ खुद जाहिर हो जाएगा।

टैक्स चोरी करने वालों की मौज

किसी अज्ञात शायर का शेर है...विसाल ए यार से दूना हुआ इश्क,मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। यही हुआ है भारत में बड़े धूम धड़ाके से आधी रात को संसद बुला कर शुरू किए गए अप्रत्यक्ष कर सुधार के कानून, वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी के साथ। जैसे जैसे कानून पुराना हो रहा है वैसे वैसे टैक्स चोरी भी बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि जिस तरह से आधी रात को आजादी की घोषणा हुई थी उसी तरह जुलाई 2017 में नरेंद्र मोदी सरकार ने आधी रात को संसद बुला कर जीएसटी कानून लागू करने का ऐलान किया था।इस कानून को अप्रत्यक्ष कर से जुड़ी तमाम गड़बडिय़ों के लिए एकमात्र उपाय के तौर पर प्रस्तुत किया गया। केंद्र ने कितनी ही मेहनत करके सभी राज्यों को इसके लिए तैयार किया कि वे कर वसूलने का अपना अधिकार छोड़ दें और यह काम केंद्र को करने दें। कहा गया कि यह एक देश, एक कर' की व्यवस्था है लेकिन हकीकत में यह एक देश, अनेक कर की पुरानी व्यवस्था का ही विस्तार है। वह एक अलग मसला है। कारोबारियों को हो रही समस्याएं भी एक बड़ा मसला है। लेकिन अगर सिर्फ टैक्स चोरी की बात करें तो यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि जिस मकसद से इस कानून को लागू किया गया था वह पूरा नहीं हो पा रहा है।भारत सरकार की संस्था डीजीजीआई यानी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में जीएसटी की चोरी दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुई है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक अगर केंद्रीय जीएसटी में चोरी को जोड़ दें तो वित्त वर्ष 2023-24 की टैक्स चोरी 2.37 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। यानी अगर सरकार साल में 20 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इकट्ठा करती है तो उसके 12 फीसदी के बराबर टैक्स चोरी होता है! यह आंकड़ा कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बिहार जैसे विशाल राज्य का सालाना बजट 2.62 लाख करोड़ का होता है। यानी बिहार के बजट के लगभग बराबर जीएसटी की चोरी हुई है।भारत सरकार का बजट 40 लाख करोड़ रुपए का है। जीएसटी की चोरी उसके लगभग छह फीसदी के बराबर है। इतनी बड़ी टैक्स चोरी हो रही है और सरकार को पता होने के बावजूद वह कुछ नहीं कर पा रही है! चोरी रोकने की बजाय सरकार इस उधेड़बुन में है कि कैसे कुछ और वसूली बढ़ाई जा सके। तभी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने या रेशनलाइज करने के लिए बने मंत्री समूह की बैठक हुई तो उसमें जो फैसले हुए उनको लेकर बताया गया कि इससे सरकार को 10 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स मिलेगा। यानी सारे उपाय अतिरिक्त टैक्स हासिल करने के ही हो रहे हैं।ऐसा नहीं है कि जीएसटी की चोरी में सिर्फ निजी या फर्जी कंपनियां शामिल हैं। सरकारी कंपनियां भी टैक्स चोरी कर रहे हैं या छिपा रही हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनी को पिछले एक साल में टैक्स चोरी के अनेक नोटिस जा चुके हैं। बीमा कंपनियों के अलावा ई कॉमर्स कंपनियां, आईटी सेक्टर की कंपनियां, ऑनलाइन गेमिंग की कंपनियां, पान मसाला और गुटखा, सिगरेट बेचने वाली कंपनियां, सब टैक्स चोरी में शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने ही एक साल में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स की चोरी की है।बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इश्योरेंस यानी बीएफएसआई भारत का सबसे संगठित सेक्टर है। जीएसटी की चोरी में यह सेक्टर दूसरे स्थान पर है। सोचें, देश का वित्तीय सेक्टर, जो इस समय आईटी के साथ साथ सबसे तेजी से बढ़ता

सेक्टर है और जिसके क्लायंट की पूरी सूचना सेक्टर की कंपनियों के पास होती है वहां इतनी बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी हो रही है?इतना बड़ा नेटवर्क खड़ा करने और इतना बड़ा तामझाम करने के बावजूद टैक्स चोरी कैसे हो रही है, यह समझना भी बहुत मुश्किल काम नहीं है। जिस तरह से पुराने सिस्टम में टैक्स चोरी होती थी उसी तरह इस सिस्टम में भी हो रही है। फर्जी इनवॉयस बना कर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट सरकार से वसूल रही हैं। इसके लिए लोगों के आधार कार्ड चुरा कर फर्जी कंपनियां खड़ी की जा रही हैं और उन कंपनियों के नाम पर फर्जी इनवॉयस बनाए जा रहे हैं। डिजिटल और ई कॉमर्स से जुड़ी कंपनियां भारत में रजिस्ट्रेशन नहीं करा रही हैं वे विदेशी रजिस्ट्रेशन पर ही काम कर रही हैं।इसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली सेवाओं को गलत तरीके से वर्गीकृत किया जा रहा है और उनका टैक्स स्लैब घटा दिया जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां जुए की तरह लॉटरी वाले खेल चला रही हैं लेकिन उनको कौशल आधारित खेल की तरह पेश किया जा रहा है, जिससे सबसे ज्यादा टैक्स की चोरी हो रही है। इस सेक्टर में सबसे ज्यादा एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए की टैक्स चोरी हुई है। उसके बाद बीएफएसआई सेक्टर है, जिसमें टैक्स चोरी हुई। इसके अलावा सरकारी टेंडर से मिलने वाले कार्यों में या इलेक्ट्रोनिक सामानों में या सिगरेट, पान, गुटखा, तंबाकू आदि की बिक्री में जम के टैक्स चोरी हो रही है।सवाल है कि जब सरकार ने जीएसटी का पूरा सिस्टम ऑनलाइन किया और डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था बनाई तो उन सबका क्या मतलब है अगर उनसे टैक्स चोरी नहीं रोकी जा रही है? वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले 2023-24 में जीएसटी की चोरी दोगुनी हो गई। तो क्या इससे सरकार की नींद नहीं खुलनी चाहिए? लेकिन सरकार क्या कर रही है, वह कारण बताओ नोटिस जारी कर रही है, जिसका कोई असर नहीं हो रहा है। इस साल मार्च में खत्म हुए वित्त वर्ष में 1.64 लाख करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के लिए करीब 24 सौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।इनके जरिए टैक्स चोरी करने वालों को एकमुश्त स्वैच्छिक टैक्स भुगतान से मामला सेटल करने का प्रस्ताव दिया गया। फिर भी करीब 13 हजार करोड़ रुपए की ही वसूली हो पाई। टैक्स चोरी के काम में शामिल लोगों और लाभार्थियों में से करीब डेढ़ सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया लेकिन उसका भी कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि कोई मुकदमा आगे नहीं बढ़ा और बहुत से लोगों ने ऊपर की अदालतों से कार्रवाई पर रोक लगवा ली। सोचें, क्या कोई और सेक्टर हो सकता है, जिसमें एक साल में दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी हो जाए और सरकार कुछ न कर पाए?पिछले वित्त वर्ष हर महीने औसतन 1.68 लाख करोड़ रुपए जीएसटी वसूला गया। इसका मतलब है कि सरकार एक महीने में जितना टैक्स वसूलती है उससे बहुत ज्यादा एक साल में चोरी हो जाता है। ऐसे सिस्टम का क्या फायदा? आम आदमी जीएसटी चुका कर परेशान है। उसके ऊपर बेतरह बोझ डाला गया है। अच्छे और सच्चे कारोबारी इस वजह से परेशान हैं कि इस कानून में यह प्रावधान किया गया है कि बिल जेनरेट करते ही यानी किसी से भुगतान के लिए उसको बिल बना कर भेजते ही उस पर लगने वाला जीएसटी जमा करना होता है।ईमानदार कारोबारी बिल बनाने के साथ ही जीएसटी जमा कर देता है लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं होती है कि उसको समय से बिल का भुगतान हो जाए। उसका जीएसटी का पैसा महीनों, सालों फंसा रहता है और भुगतान नहीं होता है। सो, एक तरफ आम आदमी और ईमानदारी कारोबारी दोनों परेशान हैं तो दूसरी ओर टैक्स चोरी करने वालों की मौज हो गई है। वे हर साल टैक्स चोरी की रकम दोगुनी करते जा रहे हैं और सरकार का सारा सिस्टम कुछ नहीं कर पा रहा है।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भारत-जर्मनी के निरंतर प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को ऐसे समझिए

भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय सम्बन्ध वैसे नहीं हैं, जैसे भारत और फ्रांस के हैं, भारत और इजरायल के हैं, भारत और जापान के हैं या फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के हैं। यही नहीं, भारत और जर्मनी के आपसी सम्बन्ध भारत और अमेरिका या भारत और इंग्लैंड जैसे भी नहीं हैं। इसलिए भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाना दोनों देशों के नेतृत्व के लिए बहुत जरूरी है। बहुचर्चित तानाशाह हिटलर की भूमि जर्मनी में भारत और भारतीयों की दिलचस्पी स्वाभाविक है। जर्मनी से भारत के प्रगाढ़ रिश्ते इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि पारस्परिक कारोबार बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को एक और दिलाजिज मित्र का साथ मिले, उसी तरह से जैसे कि फ्रांस देता आया है।

गत दिनों भारत के दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इंडिया के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो रणनीतिक बातचीत हुई है, उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि जर्मनी का नेतृत्व भी वैश्विक नजाकत और जरूरत को देखते हुए भारत के प्रति अपने पुराने रुख में बदलाव ला रहा है, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। वास्तव में, फोकस ऑन इंडिया और लेबर स्ट्रैटिजी नाम से जारी दो जर्मन रिपोर्ट्स में इस बात का जिक्र किया जा चुका है कि जर्मनी में भारतीय मूल के ढाई लाख लोग हैं, जिनमें छात्र और स्किल्ड प्रोफेशनल्स शामिल हैं। हालिया वर्षों में यह संख्या दुगुनी हुई है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे समझा है और भारत के दौरे के

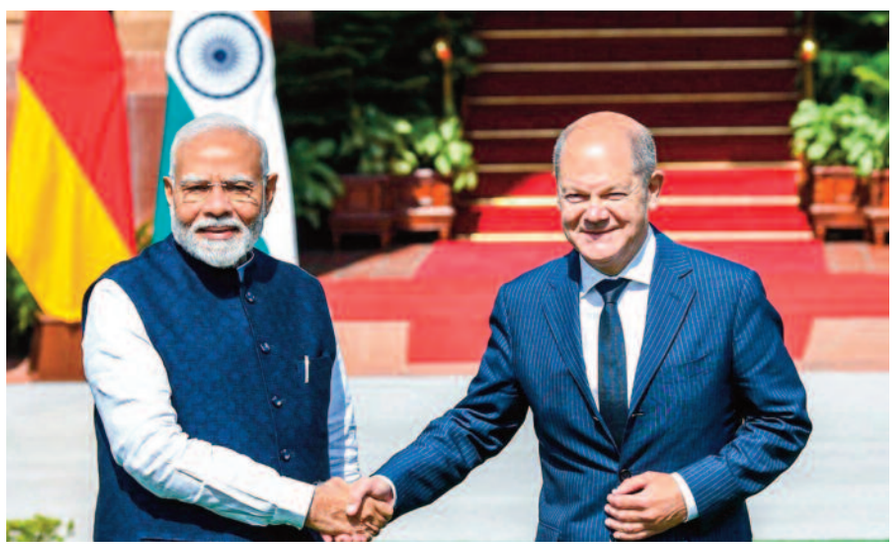

क्रम में कहा भी है कि दुनिया में हमें मित्रों और सहयोगियों की आवश्यकता है- जैसे भारत और जर्मनी हैं। प्रिय मोदी जी, नई दिल्ली में स्नेहपूर्वक स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। चूंकि जर्मनी में भारत से नजदीकी सम्बन्धों पर पार्टी लाइन से अलग सामूहिक राजनीतिक सोच सामने आई है। क्योंकि दोनों देशों के बीच माइग्रेशन रिश्तों की अहम कड़ी बनकर उभरा है। इसलिए दोनों देशों के बदलते और नव प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को समझने की जरूरत है।

पहला, भारत और जर्मनी के बीच 18 डाक्यूमेंट्स पर साझा सहमति बनी है। जिसमें म्युचुअल लीगल असिस्टेंट इन क्रिमिनल मैटर्स, क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन, ग्रीन हाइड्रोजन रोड मैप, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर रोड मैप, श्रम और रोजगार, अडवांस मटीरियल्स में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट को लेकर सहयोग, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप, के साथ स्किल डिवेलपमेंट और वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग में सहयोग सहमति बनी है, जिससे न सिर्फ दोनों देश लाभान्वित होंगे बल्कि समकालीन विश्व के देशों को भी इससे फायदा पहुंचेगा। क्योंकि भारत हमेशा तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की बात करता आया है।

वहीं, भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है। वहीं, उनका यह कहना कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए सुरक्षा परिषद सहित विभिन्न बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है।

- कमलेश पांडेय-

कविता

देवारी तिहार आवत हे...

घटती-घटना
सोनू नेताम
नवागांव धमतरी (छत्तीसगढ़)

हरियर हरियर लुगरा पहिरके
दाई बहिनी मन नाचत हे
आरा पारा खोर गली मोहल्ला
सुवा गीत ल गावत हे
सुग्हर संदेश के नेवता देवत
देवारी तिहार आवत हे
घर अंगना कोठा कुरिया
पेरौवसी माटी म छबावत हे
जाला जक्कड़ खोंदरा कुरिया
निसैईनी चढ़के झटावत हे
लाली सफेद पिंवरी छुही
घर अंगना ल लिपावत हे
कोल्हर कोल्हर माटी लाके
गईरी माटी ल मतावत हे
ओदरे खोदरे भाड़ी ल
चिक्कन चिक्कन चिकनावत हे
घर मुहाटी के तुलसी चउंरा
मारबल पथरा म बनावत हे
खिड़की फुल्ली कपाट चौखट
रंग रंगके कलर म पोतावत हे
पिंवरी छुही महर महर
चारो खुंट म ममहावत हे
सुरहिन गईया के गोबर म
अंगना ल खुंटियावत हे
गउं माता बर राउत भैया
सुग्हर सोहई ल बनावत हे
रंग रंगके मंजुर पिक
कउंड़ी माला ल सजावत हे
करसा,कलौरी,ग्वालिन,दीया
गांव म बेचाय बर आवत हे
कुमड़ा कोचई सुपा डलिया
खिचरी खवाए बर बिसावत हे
जिंस टीशर्ट कपड़ा लत्ता
लईका मन लेवावत हे
सुरसुरी चकरी बम आनारदाना
फटाखा बाजार म बेचावत हे
लईका मनके नखरा अब्बड़
बड़े फटाखा म अंगरी ल देखावत हे
सुग्हर संदेश के नेवता देवत
देवारी तिहार आवत हे!!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

देशी खिलौनों की खत्म होती चमक

-अमरपाल सिंह वर्मा-
धनौला पंजाब

पंजाब के एक छोटे से कस्बे धनौला में पारंपरिक रूप से लकड़ी के खिलौने बनाने वाले सैकड़ों कारीगरों की आर्थिक बदहाली परेशान करने वाली है। दशकों से ये कारीगर बच्चों के लिए लकड़ी के ट्रैक्टर, बस, कम्बाइन, ट्रॉली आदि बनाते आ रहे हैं। पहले हजारों घरों के बच्चे इन खिलौनों से खेलकर खुश होते थे जिससे इन कारीगरों के बच्चों के भरण-पोषण का रास्ता खुलता था। पर अब हालात बदल रहे हैं। धनौला के कारीगरों के बनाए खिलौने बड़ी कंपनियों के बनाए अति आधुनिक खिलौने से होड़ में पिछड़ रहे हैं। इसका नतीजा इन कारीगरों के परिवार तंगहाली के रूप में सामने है।

बरनाला और संगरूर के बीच बसे खिलौनों के लिए मशहूर धनौला के कारीगरों की यह हालत उस समय है, जब भारतीय खिलौना बाजार को संभावनाओं से भरपूर बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि देश में खिलौनों का बाजार फल-फूल रहा है।

केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से इस साल प्रकाशित एक रिपोर्ट बताती है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2022-23 के बीच हमारे देश के खिलौना उद्योग में तीव्र गति से उन्नति हुई है। यह रिपोर्ट दावा करती है कि एक ओर जहां हमारे देश से खिलौनों के निर्यात में 239 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई है, वहीं दूसरी ओर आयात में 52 प्रतिशत तक की कमी आई है। यह भी दावा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से हमारे देश का खिलौना उद्योग नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। खिलौना उद्योग में हमारी प्रगति से चीन को झटका लगा है। जैसा कि इस रिपोर्ट में कहा गया

मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे...

स्तालिन द्वारा देहातों पर इस उत्पीडऩ में कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक जानें गईं! यह सब यूरोपीय बुद्धिजीवियों को बिलकुल पता न था। वे केवल 1930 के दशक में रूस में दिखावटी मुकदमों के द्वारा मारे गये नेताओं, लेखकों, आदि द ग्रेट पर्ज' वाली कुख्यात बातें ही जानते थे। क्योंकि उन में मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे।(यह लेख प्रोफेसर गैरी साउल मॉरसन द्वारा जून 2024 में लिखी गई समीक्षा द मास्टरपीस ऑफ अवर टाइम' पर आधारित है।)आज से पचास वर्ष पहले, रूसी लेखक अलेक्सांद्र सोल्झेनित्सिन का महान ग्रंथ गुलाग आर्किपेलाग 1918 ङ्क 1956 साहित्यिक पड़ताल का एक प्रयोग' का अंग्रेजी अनुवाद छपना एक सनसनीखेज घटना थी। गु.लाग. यानी सोवियत रूस में सुधार श्रम शिविरों का मुख्य निदेशालय' के नाम का संक्षिप्त नाम रूप। आर्किपेलाग यानी पूरे सोवियत संघ में बिखरे, मगर छिपे द्वीपों जैसे उन श्रम-यातना शिविरों का एक पूरा जाल। गुलाग आर्किपेलाग' उन्हीं शिविरों की सच्चाई का एक विराट विवरण था।उस ग्रंथ ने सोवियत समाजवाद की छवि को मानो एक विस्फोट से ध्वस्त कर दिया। बल्कि एक ऐसी लोमहर्षक सच्चाई दिखाई कि सारी दुनिया में लोग सिहर उठे! उस के बाद किसी वामपंथी बुद्धिजीवी के लिए भी समाजवाद और सोवियत संघ के प्रति पहले जैसा भावुक लगाव रखना संभव न रहा। फ्रांस में संपूर्ण विमर्श की धारा बदल गई, जहाँ समाजवाद सब से अधिक प्रभावी बौद्धिकता थी। अमेरिका में भी वियतनाम युद्ध की छाया में माओ, हो ची मिन्ह, फिडेल कास्त्रो, आदि के प्रति बढ़ता नव-वामपंथी ज्वार एकाएक थम गया।गुलाग आर्किपेलाग' की गवाही इतनी विस्तृत, प्रमाणिक और सशक्त थी। तीन खंडों, सात भागों, बयालीस अध्यायों, और लगभग दो हजार पृष्ठों में लिखा यह ग्रंथ सोवियत कम्युनिज्म के अड़तीस वर्षों, 1918 से 1956 का हृदयविदारक चित्र है। इस महागाथा को सोल्झेनित्सिन ने एक-एक शब्द और चिन्ह तक मानो नाप-तौल कर लिखा है। वस्तुत- गत शताब्दी बीतने पर टाइम' मैगजीन ने उसे पूरे विश्व में बीसवीं शताब्दी की सब से महत्वपूर्ण साहित्येतर (नॉन-फिक्शन) पुस्तक माना था।तब उसे साहित्यिक' कहने से सोल्झेनित्सिन का क्या आशय था? इस के उत्तर में उस की क्लासिक महानता का रहस्य छिपा है। साथ ही, उस ग्रंथ को पढ़े बिना सोवियत कम्युनिज्म की पूरी सच्चाई नहीं समझी जा सकती। उस के प्रकाशन से पहले भी यूरोपीय बुद्धिजीवियों को सोवियत संघ में दमन, उत्पीडऩ की जानकारी थी। पर वे उसे दशकों पहले की बात, स्तालिन युग की बीती चीज समझते थे। इस ग्रंथ के आने पर वे जानकर स्तब्ध रह गये कि विकट गोपनीयता से ही उसे लिखा जा सका, जिसे टुकड़े-टुकड़े अलग-अलग व्यक्तियों, स्थानों पर छिपा कर रखा जाता था ताकि सोवियत पुलिस के छापे में पूरी पांडुलिपि न चली जाए।उसे किसी तरह तस्करी से बाहर भेज कर, विदेश में ही छपाया जा सका ङ्क यह पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए हैरत की बात थी। बल्कि लेखक भी कभी उस की पूरी पांडुलिपि इकट्ठा सामने रखकर पूर्ण परिष्कृत रूप नहीं दे सका, जिस के लिए उस ने पाठकों से क्षमा भी माँगी थी। सोल्झेनित्सिन के शब्दों में, उस में जहाँ-तहाँ आकस्मिक शुरुआत, अधूरापन, हमारे साहित्य के उत्पीडऩ के ही चिन्ह हैं। पर अंतत- उस कमी ने भी उस पुस्तक के सौंदर्य में वृद्धि ही की। उस का संप्रेषण मौलिक बना दिया।उस से पहले, 1965 ई. में सोल्झेनित्सिन की एक अन्य पांडुलिपि तथा बहुत से अभिलेख एक छापे में जा चुके थे। इसलिए गुलाग' की पांडुलिपि पर सोल्झेनित्सिन ने अत्यधिक सावधानी रखी थी। इसलिए और भी, क्योंकि उस में असंख्य लोगों के असली नाम और स्थान दर्ज थे जिन्होंने अपनी बीती और? देखी सोल्झेनित्सिन को बताई थी। तब रूस में साहित्य का दमन ही नहीं था, लिखना मात्र एक खतरनाक गतिविधि थी। न केवल लेखकों के लिए, बल्कि किसी के लिए भी। किसी को लिखी गई चिट्ठी, उस में कोई संदिग्ध मुहावरा, मामूली शिकायत भी किसी को दस-बीस साल के लिए यातना शिविर में भेज दिए जाने का आधार बन सकता था।यह सब पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए अविश्वसनीय बात थी। वे समझते थे कि जैसे जारशाही रूस में किसी लेखक को दंड मिलता था, साइबेरिया भेज दिया जाता था, आदि, वैसा ही कुछ होता होगा। उन के लिए स्थाई उत्पीडऩ का अधिकतम मॉडल जारशाही था। इसीलिए, अपनी पुस्तक में सोल्झेनित्सिन ने जारशाही की जेलों, कानूनों और सोवियत संघ के सामान्य जनजीवन, कानूनों की तुलना को भी काफी स्थान दिया है। जिसे पढऩे के बाद जार को उत्पीड़क कहने पर हँसी आ जाती है।संख्या को ही लीजिए- सन् 1876 से 1904 तक रूस में आम हड़ताल, किसान विद्रोह, और आतंकवाद का दौर था, जिस में जार अलेक्सांद्र द्वितीय और अन्य उच्चाधिकारियों की हत्या भी हुई थी। तब इस दौरान कुल 486 लोगों को फाँसी दी गई। यानी पूरे रूस में प्रति वर्ष सत्रह लोग फाँसी पर चढ़ाए गये थे। जिन में सामान्य, गैर-राजनीतिक अपराधी भी शामिल थे। सन् 1905 के विद्रोह में यह पराकाष्ठा पर पहुँचा, जिस पर लेव टॉल्स्टॉय और कोरोलेन्को जैसे महान रूसी लेखकों ने आँसू बहाए और शासन को कोसा था। सो, 1905 से 1908 के बीच 2200लोगों को फाँसी दी गई। जिसे उस समय के लोगों ने फाँसी की महामारी जैसी माना था। उस की तुलना में, सोवियत न्यायिक हत्याओं चाहे गोली मार कर, जबरन भुखमरी थोप कर, या शून्य से नीचे तापमान पर कठोर काम करवाने के परिणामस्वरूप शासन के हाथों ऐसी हत्याओं के आँकड़े करोड़ों में जाते हैं।इन हत्याओं में सब से भयावह बात यह थी कि उन दंडित मृतकों में किसी का स्वयं कोई भूल या अपराध करना भी जरूरी न था। सन् 1918 में ही, यानी कम्युनिस्ट शासन के पहले ही वर्ष में चेका (खुफिया पुलिस) के नेता मार्तिन इवानोविच लात्सिस ने क्रांतिकारी अदालतों को सरसरी फैसले देने का निर्देश दिया था, जिस में हर अभियुक्त पर अलग-अलग सुनवाई कर दोषी या निर्दोष देखने की कोई जरूरत नहीं थी। केवल उस का वर्ग देखना काफी था, अर्थात यदि कोई पकड़ा गया व्यक्ति कुलक (भूस्वामी) या व्यापारी वर्ग का है तो उसे अपराधी मानने के लिए यही पर्याप्त है।लात्सिस ने गर्व से बताया था, यही लाल आतंक का अर्थ है। इस आधार पर, पचास लाख से अधिक लोगों को बिना रसद या औजार के बंजर, शून्य से बहुत नीचे तापमान वाले बर्फीले इलाकों में अपनी मौत मरने भेज दिया गया। । यह सब कोई मार्क्स-लेनिन के सिद्धांतों से विचलन भी नहीं था। नई कम्युनिस्ट सत्ता के प्रमुख लेनिन ने ही कहा था, किसी वयापारी को उदाहरण के लिए फाँसी देकर लटका दो क्योंकि व्यापारी और बदमाश एक ही चीज है।सो, स्तालिन और दूसरे लेनिनपंथी बोल्शेविकों ने इसी सिद्धांत को पूरे विस्तार से लागू किया था। कुलकों के बाद यही दंड कई समुदायों को भी मिला, केवल इसलिए क्योंकि वे रूसी होते हुए भी जर्मन, क्रीमीयाई तातार, पोलिश, कोरियाई, यहूदी, आदि मूल से आते थे। उन्हें थोक में उजाड़ कर दूर भेज दिया गया था। इस नाम पर कि वे? कभी विदेशियों से सहायता लेकर गड़बड़ी कर सकते हैं। इसी तरह, कुलकों के सफाए' के बाद मामूली किसानों को भी जबरन अकाल में डाला गया। उक्रेन जैसे अनाज उत्पादक इलाकों में सारा अनाज सरकार ने जबरन ले लिया, नदियों में मछली मारने पर भी पाबंदी लगाई गयी।जिस से अगले कुछ महीनों में स्थानीय आबादी का खासा हिस्सा भूख से मर गया। शहरों से आए आदर्शवादी बोल्शेविक युवकों ने आकर देहातों में इस जबरिया अकाल को लागू किया। वे समझते थे कि नये वर्गहीन समाज के निर्माण के लिए कई वर्गों का खात्मा करना ठीक है। स्तालिन द्वारा देहातों पर इस उत्पीडऩ में कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक जानें गईं! यह सब यूरोपीय बुद्धिजीवियों को बिलकुल पता न था। वे केवल 1930 के दशक में रूस में दिखावटी मुकदमों के द्वारा मारे गये नेताओं, लेखकों, आदि द ग्रेट पर्ज' वाली कुख्यात बातें ही जानते थे। क्योंकि उन में मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे।

-शंकर शरण-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

थाना में संदिग्ध मौत:दो दिनों के बवाल के बाद आज हुआ मृतक का अंतिम संस्कार

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज आज पहुंचेंगे बलरामपुर,परिजनों से करेंगे मुलाकात

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के पुलिस थाना में हुए स्वास्थ्य कर्मी गुरूचंद मंडल के संदिग्थ मौत मामले में दो दिनों के तनाव व बवाल के बाद आज शनिवार को परिजनों ने अंतिम किया। इस दौरान ग्राम सुंदरनगर में एसडीएम, राजस्व अमला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता धीरज सिंह देव सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने बलरामपुर में सभी चौक चौराहों पर सुबह से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

शुक्रवार को दिनभर के बवाल के बाद देर शाम जन प्रतिनिधियों सहित पुलिस अधिकारियों की समझाइश के बाद रात करीब 8 बजे परिजन एवं ग्रामीण शव लेने एवं अंतिम संस्कार के लिए तैयार हो गए। शनिवार को सुबह गांव में ही विधि-विधान से मृतक गुरुचंद मंडल के शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

मृतक पर था पत्नी की हत्या का शक,भाई ने की थी शिकायत

मृतक का साला बदला गिरी

बलरामपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग में हक्र्रारू में प्यून के रूप में पदस्थ संतोषीनगर निवासी गुरुचंद मंडल की पत्नी रीना गिरी 29 सितंबर को लापता हो गई थी। गुरुचंद मंडल की वह दूसरी पत्नी थी। रीना गिरी की गुमशुदगी की रिपोर्ट गुरूचंद मंडल ने ही थाने में दर्ज कराई थी।

पुलिस के अनुसार रीना गिरी के भाई बदला गिरी ने बलरामपुर एसपी से रीना गिरी की हत्या पति गुरूचंद मंडल एवं उसके पिता शांति मंडल पर जताते हुए जांच की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने गुरूचंद मंडल व शांति मंडल से पूछताछ कर रही थी। पुलिस के अनुसार गुरूचंद मंडल का शव गुरूवार दोपहर 3.15 बजे थाना के बाथरूम में फांसी में झूलता मिला था।

थाना में तोड़-फोड़, दर्ज हुई एफआईआर

गुरुचंद मंडल के थाना में हुई मौत के बाद गुरुवार शाम बलरामपुर थाने में उग्र भीड़ ने हमला बोल दिया था। थाने एवं गाड़ियों पर भीड़ ने जमकर पथराव किया गया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े व लाठीचार्ज किया। देर रात तक हंगामे के बाद थाने और एसपी कार्यालय के सामने हाईवे पर कर प्रदर्शन कर रहे लोगों की भीड़ को पुलिस ने हटाया।

उक्त मामले में बलरामपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। थाने पर हमला करने वालों के खिलाफ धारा 132, 221, 121 (ढ्ढ), 296, 115(2), 126(1), 351 (3), 324(4), 190, 191(ढ्ढ), 191 (2), 195 (1) बीएनएस एवं लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया।

अभी और होगी एफआईआर दर्ज

बलरामपुर में शुक्रवार को शव को संतोषीनगर लेकर जा रहे पुलिस टीम को ग्रामीणों ने रोका एवं हंगामा करते हुए पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। जिसमें जशपुर एएसपी निमिषा पांडेय के साथ उग्र भीड़ में शामिल महिलाओं ने हाथापाई कर दी थी। इस दौरान हुए पथराव में भी कुछ पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। इस मामले में अतिरिक्त एफआईआर बलरामपुर पुलिस दर्ज करेगी।

पूरे घटनाक्रम में नजर बनाए हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज भी अंबिकापुर पहुंच चुके हैं। बैज आज मृतक गुरुचंद मंडल के परिजनों से मिलने बलरामपुर जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश की अराजक हो चुकी कानून व्यस्था पर तीखा प्रहार किया है।

अपने जन्मदिन पर बुलाकर शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जन्मदिन के अवसर पर युवक ने युवती को अपने किराए के मकान में बुलाया, फिर शादी का झांसा देकर उससे बलात्कार किया। दो माह तक दैहिक शोषण के बाद शादी से इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार विशाल द्विवेदी (21) अयोध्या उत्तरप्रदेश का रहने वाला है। वह भाटागांव चौक रायपुर में रहकर काम करता है। वर्ष 2022 में इसकी जान पहचान एक युवती से काम के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों मोबाइल के जरिए बातचीत करते थे। 16 अप्रैल 2024 को अपने जन्मदिन के अवसर पर विशाल युवती को अपने किराए के मकान में बुलाया था। इसके बाद उससे शादी करने का झांसा देकर बलात्कार किया। आरोपी युवती से दो माह तक दौहिक शोषण करने के बाद शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता 3 सितंबर को मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी विशाल द्विवेदी को गिरफ्तार कर धारा 376 (2) एन, 294 एवं एसटी, एससी एक्ट की धारा 3(1)डब्लू -77 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अज्ञात कारण से महिला ने फांसी लगाकर दी जान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के पटेलपारा में एक महिला अज्ञात कारण से 18 अक्टूबर को फांसी लगा ली थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सरस्वती वैष्णव पति गंगासरगर वैष्णव उम्र 28 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम नवापारा पटेलपारा की रहने वाली थी। वह 18 अक्टूबर को अज्ञात कारण से फांसी लगा ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान 25 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई।

जमीन पर सो रही महिला को सांप ने डंसा, मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के ग्राम डुमरखी में 22 अक्टूबर की रात जमीन पर सो रही महिला को सांप ने डंस लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए बलरामुपर जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बसंती पति देवधारी चेरवा उम्र 34 वर्ष बलरामपुर जिले के ग्राम डुमरखी की रहने वाली थी। वह 22 अक्टूबर की रात को अपनी बजन व भतीते के साथ जमीन पर बिस्तर लगाकर सोई थी। रात करीब 10.30 बजे सांप ने डंस लिया। वह घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन ने उठकर देखा तो सांप कमरे में ही बिल में घुस रहा था। परिजन महिला को इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान 26 की मध्य रात उसकी मौत हो गई।

गुरु का कर्तव्य देश को नई दिशा देने की है जिम्मेदारी

अधिस्थापन प्रशिक्षण चौदहवां चरण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अंबिकापुर सरगुजा (छ.ग.) 21.10 2024 से 25.10.2024 तक।

» डाइट में नवनियुक्त शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण में माध्यमिक शाला के नवनियुक्त शिक्षकों का अधिस्थापन प्रशिक्षण 21 से 25 अक्टूबर तक दिया गया। प्रशिक्षण में कुल 155 शिक्षक उपस्थित थे। इस दौरान एनईपी 2020, एनसीएफ, शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, उत्कृष्ट विद्यालय, नवाजतन, समावेशी शिक्षा, शाला अभिलेश, विद्यालय प्रबंधन, स्काउट गाइड, इको क्लब, शिक्षा विभाग की योजनाएं, शिक्षा विभाग की संरचना, अवकाश के नियम, तनाव प्रबंधन, नैतिक शिक्षा सहित अन्य विषयों के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान संस्थान के प्राचार्य केसी गुप्ता ने अधिस्थापना प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु की महिमा हमारे देश में सबसे ऊपर रहा है। यह एक व्यवसाय नहीं बल्कि देश को नई दिशा देने की जिम्मेदारी है। इस दौरान प्रशिक्षण प्रभारी ओंकार नाथ तिवारी, मास्टर ट्रेनर लक्ष्मी इ्क्षसह, अंजू पांडेय, रचना सिंह, अर्चना सिन्हा, सुस्मिता मुखर्जी, अरशद शान, व्याख्याता मीना शुक्ला, अशोक पांडेय के अलावा डाइट के समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर के मुख्य मार्गों से निकाला नगर का ऐतिहासिक पथ संचलन

» पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का नगरवासियों ने किया अभिनंदन

» शंख ध्वनि के शंखनाद से किया गया ऋ्रस् के संचलन का स्वागत

आदित्य गुप्ता
अंबिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 99 वर्ष पर विजयदशमी होने के साथ ही संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष शुरू हो गया है, जिसको लेकर संघ की ओर से बस्ती-बस्ती में पथ संचलन का आयोजन किया जा रहा है. स्वयंसेवकों भी बेहद उत्साहित हैं. संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर रविवार को अंबिकापुर शहर में सैकड़ो स्वयंसेवकों द्वारा पथ संचलन किया गया. पथ संचलन का जगह-जगह पर शहर वासियों व कई समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

आपको बता दें कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसी तारतम्य में अंबिकापुर नगर में भी संघ द्वारा पूरी तैयारी के साथ पथ संचलन रविवार की शाम कला केंद्र मैदान से निकाला गया । उत्साह पूर्वक बड़ी संख्या में स्वयंसेवक नगर के कलाकेंद्र मैदान पर एकत्रित हुए जहां संघ के प्रांत सेवा प्रमुख मुख्य वक्ता के रूप में तुलसीदास जी ने बौद्धिक उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि समाज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रेरणादाई कार्य कर रहा है। हर आपदा- विपदा में अब लोग संघ क ओर देख रहे हैं। संघ से जुडे लोग भी हर विपदा में सेवा के लिए खडे रहते हैं, यही सेवा भावना अब एक-एक गांव ,गली तक पहुंच चुकी है जिसका परिणाम है कि देशभर में कोई ऐसी जगह नहीं जहां स्वयंसेवक न हो और लोगों की सेवा न कर रह हो। सारा समाज हमारीओर देख रहा हैं, इसलिए हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। कि हम समाज के लिए और भी अच्छा दें। उन्हॅने शताब्दी वर्ष पर सभी को शुभकामनाएं दी। बौद्धिक कार्यक्रम के अध्यक्ष बनाए गए सिख समाज के अध्यक्ष रघुवीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि समाज में समरसता फैलाने का काम संघ कर रहा है। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह जी का उदाहरण देते हुए कहा कि समाज में उन्होंने जिस तरह समरसता फैलाई उसे आगे बढाने की जरूरत है और यह काम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। बौद्धिक संबोधन के पश्चात देर शाम घोष बैंड धुन पर शहर में पथ संचलन निकला जो देवीगंज मार्ग होते हुए संगम चौक पहंचा। यहां से महामाया चौक, स्कूल रोड, गुरु नानक चौक से गुदरी मार्ग होते हुए शिवाजी चौक, जोड़ा पीपल, नगर निगम चौराहा से घड़ी चौक के बाद कलाकेंद्र मैंदान में समापन हुआ।

भारत माता की जयकारा से गूंज उठा अंबिकापुर शहर

भारत माता के जयकारे से नगर गूंज उठा। विजयादशमी से पूर्व हर गली मोहल्ले में पथ संचलन निकल गया था अंबिकापुर शहर में 48 वार्ड वार्ड में यह संचलन हो चुका है संघ का विजयदशमी के दिन 99 वर्ष पूरा हो गया है विजयदशमी 2025 से विजयदशमी 2026 तक शताब्दी वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया है राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेवक संघ ने शहर से लेकर प्रखंडों मंडलों और बस्तियों तक छोटे-छोटे कार्यक्रम करना तय किया है रविवार को पूरे आयोजन में जिला संघ चालक भगवान दास बंसल , नगर संघ चालक अशोक सिंह ,विभाग कार्यवाह गौरंगों सिंह, विभाग सह कार्यवाह अजय मिश्रा, जिला प्रचारक जितेंद्र शर्मा व नगर कार्यवाह अनुज दुबे ,सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए।

हर चौक और चौराहों पर पुष्प वर्षा से स्वयंसेवकों का किया अभिनंदन

पथ संचलन का नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शहर के नागरिकों एवं समाज के लोगों ने स्वागत किया गया। नगर के देवीगंज रोड ,संगम चौक, महामाया चौक ,गुरुद्वारा व थाना चौक गुदरी चौक पर शंखनाद के साथ जोड़ा पीपल व अनेक स्थान पर पुष्प वर्षा की गई । सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की दृष्टि से सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

थाने में आरोपी हो गया बेहोश,पुलिस पर लगाया थप्पड़ मारने का आरोप

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मारपीट के आरोपी ने गांधीनगर थाने के एक पुलिसकर्मी पर थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है। आरोप अनुसार जब वह पुलिसकर्मी की मारपीट से बेहोश हुआ तो उसे पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं मारपीट के आरोप से पुलिस ने इंकार किया है।

जानकारी के अनुसार शानू ठाकुर गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर का रहने वाला है। इस पर पूर्व में मारपीट का आरोप गांधीनगर थाना में दर्ज था। शनिवार को जमानत मुचलका की कार्रवाई करने आरोपी को थाना बुलाया गया था। आरोपी का कहना है कि मैं मोबाइल से बात करते हुए थाने से बाहर निकला गया था। इस दौरान एक पुलिसकर्मी पीछे से जोड़ से पकडक़र थप्पड़ मार दिया। इससे मैं बेहोश हो गया।

पुलिस ने ही मुझे अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं इस मामले में एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो का कहना है कि आरोपी को जमानत मुचलका की कार्रवाई के लिए बुलाया गया था। आरोपी अचानक बेहोश हो गया। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया और एमएलसी कराया गया। उसके साथ मारपीट नहीं की गई है। डॉक्टर एमएलसी रिपोर्ट में भी मारपीट किए जाने का जिक्र नही है।

ईरान पर इजरायली हमले से मिडिल-ईस्ट में फिर भड़का तनाव, एक्टिव हुआ भारत;जारी किया बयान

नई दिल्ली,26 अक्टूबर 2024। भारत ने शनिवार को ईरान पर इजरायल के हमलों के बाद मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷हम पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव और इसके क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर गहराई से चिंतित हैं। हम सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और वार्ता तथा कूटनीति के मार्ग पर लौटने का आग्रह करते हैं।

विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, वर्तमान झगड़ा किसी के भी हित में नहीं है, जबकि निर्दोष बंधक और नागरिक आबादी लगातार पीड़ित हो रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि क्षेत्र में स्थित भारतीय मिशन भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा के लिए लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। भारत की इस प्रतिक्रिया को क्षेत्र में शांति बनाए रखने के प्रयासों के तहत देखा जा रहा है, जिसमें भारत ने स्पष्ट रूप से सभी पक्षों को संयम और संवाद का रास्ता अपनाने की सलाह दी है।

इजरायल ने मिसाइल हमलों का बदला लेने के लिए ईरान पर हवाई हमले किए, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा

इजरायल ने शनिवार सुबह ईरान पर हवाई हमले किए और कहा कि उसने ईरान द्वारा इस महीने की शुरुआत में इजराइल पर दागे गए बैलिस्टिक मिसाइलों के जवाब में उसके सैन्य स्थलों को निशाना बनाया। विस्फोटों की आवाज ईरान की राजधानी तेहरान में भी सुनी गई लेकिन इस्लामी गणराज्य ने जोर देकर कहा कि इन हमलों से केवल सीमित क्षति हुई है।

इन हमलों ने दोनों कट्टर शत्रुओं के बीच ऐसे समय में पूर्ण युद्ध का खतरा बढ़ा दिया है जब पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित चरमपंथी समूह- गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्ला- पहले से ही इजराइल के साथ युद्धरत हैं। यह पहली बार है जब इजरायल की सेना ने ईरान पर खुलेआम हमला किया। इसके अलावा, 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद से किसी शत्रु देश ने ईरान पर इस प्रकार पहली बार लगातार हमले किए हैं।

इजरायल के घंटों चले हमले तेहरान में सूर्योदय से कुछ देर पहले ही समाप्त हुए। इजरायल ने कहा कि उसने ईरान में मिसाइल निर्माण संयंत्रों और अन्य स्थलों को निशाना बनाकर हमले किए। उसने कहा कि ईरान में हमले करने के बाद उसके विमान ''सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं।'' इजरायली सेना ने कहा कि उसके विमानों ने ''उन मिसाइल निर्माण संयंत्रों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल उन मिसाइलों को बनाने के लिए किया जाता था जिन्हें ईरान ने पिछले साल इजरायल पर दागा था।''

सेना ने कहा, ''इन मिसाइल ने इजरायल के नागरिकों के लिए सीधा और तत्काल खतरा पैदा किया।'' उसने कहा कि उसने ''सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और उन अतिरिक्त ईरानी हवाई क्षमताओं पर भी हमला किया, जिनका उद्देश्य ईरान में इजरायल की हवाई संचालन स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करना था।'' इजरायल ने इन हमलों से हुए नुकसान का कोई शुरुआती आकलन मुहैया नहीं कराया।

शुरुआत में माना जा रहा था कि ईरान के एक अक्टूबर के हमले के जवाब में इजरायल उसके परमाणु केंद्रों और तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बना सकता है, लेकिन अक्टूबर के मध्य में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने बताया कि उसे इजराइल ने आश्वासन दिया है कि वह ऐसे केंद्रों पर हमला नहीं करेगा।

रूस जाने की इतनी बड़ी सजा, गुस्साए जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव का यूक्रेन दौरा किया रद्द

कीव, 26 अक्टूबर 2024। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को दावा किया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस इस सप्ताह के अंत में यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में तैनात कर देगा। पश्चिमी देशों ने चेतावनी दी है कि इस तरह के घटनाक्रम से लगभग तीन साल से जारी युद्ध को और बढ़ावा मिलेगा तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक इसके भू-राजनीतिक परिणाम होंगे। इस संभावना ने नेताओं को चिंतित कर दिया है और युद्ध को लेकर राजनयिक तनाव गहरा गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की कीव की निर्धारित यात्रा रद्द कर दी है।

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने रूस गए थे गुतारेस

अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि यह यात्रा इस सप्ताह रूसी शहर कजान में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद होने वाली थी। इस सम्मेलन में गुतारेस भी शामिल हुए थे। शिखर सम्मेलन में गुतारेस की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हाथ मिलाने की तस्वीर सामने आने पर यूक्रेन में रोष उत्पन्न हो गया।

जेलेंस्की ने उत्तर कोरियाई सैनिकों को लेकर किया दावा

जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों ने पता लगाया है कि रविवार और सोमवार के बीच रूस द्वारा उत्तर कोरियाई सेना की पहली टुकड़ी का इस्तेमाल युद्ध क्षेत्रों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह तैनाती रूस द्वारा स्पष्ट रूप से बढ़ाया गया कदम है। जेलेंस्की ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को कहां भेजा जा सकता है।

कुर्स्क में दिखे यूक्रेनी सैनिक

इस बीच, यूक्रेन के खुफिया निदेशालय ने कहा कि बुधवार को उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क क्षेत्र में दिखाई दिए। जीयूआर के नाम से जाने जाने वाले यूक्रेन के मुख्य खुफिया निदेशालय ने बृहस्पतिवार देर रात एक बयान में कहा कि सैनिकों ने पूर्वी रूस के ठिकानों पर कई हफ्तों का प्रशिक्षण लिया है और आगामी सर्दियों के लिए वे कपड़ों से सुसज्जित हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला,6 सुरक्षाकर्मियों समेत 8 की मौत

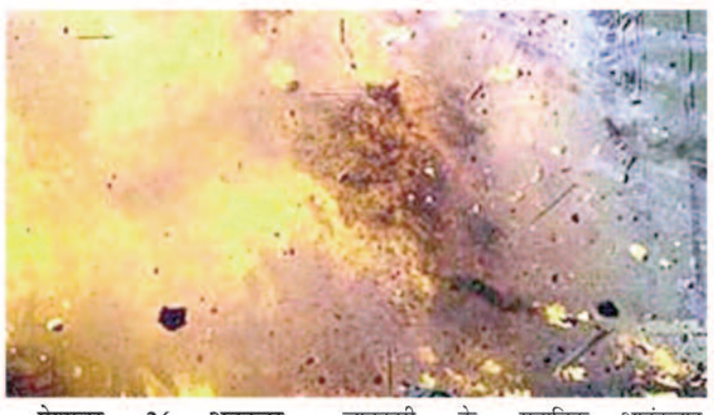

पेशावर, 26 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस पिकेट को निशाना बनाते हुए आत्मघाती हमले का मामला सामने आया है। इस हमले में 6 पुलिसकर्मियों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार उत्तरी वजीरिस्तान के आदिवासी जिले के मीर अली तहसील में असलम चेक पोस्ट में विस्फोट हुआ।

जानकारी के मुताबिक आत्मघाती हमलावर थ्री-व्हीलर गाड़ी में आए थे, उन्होंने चेक पोस्ट और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मार दी। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई। जिनमें चार पुलिसकर्मी, दो सैनिक और दो आम नागरिक शामिल थे। विस्फोट में कई लोग घायल हो गए। घायलों को मिरन शाह अस्पताल में शिफ्ट किया गया है । सूत्रों के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। सबसे ज्यादा घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान से सामने आती हैं। इस महीने उत्तर वजीरिस्तान जिले में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान करीब 12 चरमपंथियों को मौत के घाट उतारा गया था।

सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) थिंक टैंक द्वारा इस महीने की शुरुआत में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 2024 की तीसरी तिमाही में आतंकवादी हिंसा और आतंकवाद-रोधी अभियानों में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इसके चलते हिंसा में 90 फीसदी बढ़ोतरी हुई है।

मोसाद चीफ बैठे थे सामने,हमास ने बंधकों की रिहाई के बदले मांगा कुछ ऐसा,इजरायल बोला- ये तो नहीं होगा

काहिरा, 26 अक्टूबर 2024। हमास ने गाजा पट्टी से सुरक्षित निकासी के लिए इजरायल के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इस प्रस्ताव में हमास से अपनी हथियार डालने और बंधकों को मुक्त करने की मांग की गई थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के प्रमुख वार्ताकार और मोसाद के प्रमुख डेविड बर्निया ने यह प्रस्ताव दिया था। यह स्थिति दोनों पक्षों के बीच तनाव को और बढ़ा सकती है क्योंकि बातचीत के लिए कोई सकारात्मक प्रगति नहीं हो रही है। इजरायल और हमास के बीच यह तनाव पश्चिम एशिया में सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है और संभावित युद्धविराम की संभावनाओं पर भी सवाल खड़े करता है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अरब मध्यस्थों का हवाला देते हुए रिपोर्ट किया है कि हमास ने इजरायल के सुरक्षित निकासी प्रस्ताव को तेजी से ठुकरा दिया। यह प्रस्ताव इजरायल के मोसाद प्रमुख डेविड बर्निया और मिस्री अधिकारियों के बीच एक बैठक में पेश किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, हमास के उप राजनीतिक ब्यूरो के अध्यक्ष और समूह के प्रमुख वार्ताकार खलील अल-हैया ने अस्वीकृत प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इजरायल ने हमास को गलत समझा है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि हमास युद्ध को महीनों या वर्षों तक जारी रखने की क्षमता रखता है।

मीटिंग का उद्देश्य गाजा पट्टी में मौजूदा हालात और शांति स्थापित करने के रास्तों पर चर्चा करना था। यह बैठक मिस्र के गाजा में संघर्षविराम वार्ताओं को फिर से शुरू करने के प्रयासों के बीच हुई है। पिछले कुछ महीनों में दोहा और काहिरा में कई दौर की बातचीत हुई, लेकिन अभी तक संघर्ष खत्म करने के लिए कोई ठोस समझौता नहीं हो सका है। यह संघर्ष एक साल से ज्यादा समय से चल रहा है। मिस्र और कतर ने इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थता की है, लेकिन अगस्त में यह वार्ताएं बिना किसी नतीजे के टूट गई थी। यह वार्ता 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा दक्षिण इजरायल पर हमले के बाद शुरू हुई थीं।

हमास द्वारा संचालित अल-अक्सा टीवी ने 24 अक्टूबर को जानकारी दी कि हमास के मुख्य वार्ताकार और गाजा के उपप्रमुख खलील अल-हय्या के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल काहिरा पहुंचा है, जहां उनकी मुलाकात मिस्र की खुफिया एजेंसी के प्रमुख हसन महमूद राशद से हुई। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि वह गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए मिस्र की मध्यस्थता की कोशिशों का स्वागत करते हैं। इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या 42,847 तक पहुंच गई है।

ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु 1 नवम्बर से पंजीयन होगा शुरू

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि सरगुजा जिला में संचालित समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई, एवं पॉलिटेक्निक आदि के प्राचार्य/संस्था प्रमुख, छात्रवृति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति की पात्रता रखते हैं, उनके लिए शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृत एवं वितरण की कार्यवाही http://postmatricschlarship.cg.nic.in वेबसाइट पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा ऑनलाइन आवेदन, प्रस्ताव एवं स्वीकृति वर्ष 2024-25 हेतु तिथि निर्धारित की गई है। विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन नवीन एवं नवीनीकरण 01 नवम्बर 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक है। इसी तरह ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 01 नवम्बर 2024 से 15 जनवरी 2025 तक, सैंक्शन आर्डर लॉक करने हेतु 01 नवम्बर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक होगी। निर्धारित तिथि के पश्चात सत्र 2024-25 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जावेगा। ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक एवं सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं, इसके लिए संस्था प्रमुख स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सड़क निर्माण में अनियमितताओं के खिलाफ गोडवाना गणतंत्र पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -

प्रतापपुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

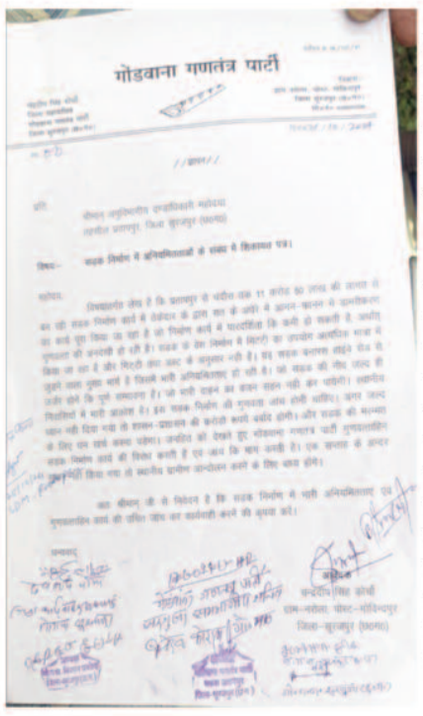

गोडवाना गड़तंत्र पार्टी ने प्रतापपुर से चंदौरा तक चल रहे सड़क निर्माण में गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायत की है। पार्टी ने अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस मुद्दे की गंभीरता पर ध्यान आकर्षित किया।

ज्ञापन में कहा गया है कि 11 करोड़ 50 लाख की लागत से बन रही सड़क का निर्माण कार्य रात में किया जा रहा है, जिससे गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि सड़क की नींव में अत्यधिक मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है और गिट्टी तथा डस्ट मानकों के अनुसार नहीं हैं, जिससे सड़क जल्द ही खराब हो सकती है।

स्थानीय निवासियों की नाराजगी को देखते हुए गोडवाना गड़तंत्र पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की, तो वे चक्का जाम करने के लिए बाध्य होंगे। पार्टी ने प्रशासन से त्वरित जांच और निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का मांग की है। वहीं प्रतापपुर एसडीएम ललिता भगत ने आश्वासन दी, संबधित अधिकारीयों को बात कर निर्देश करती हूँ इस दौरान गोंगपा राष्ट्रीय प्रवक्ता जयनाथ केराम, महिला मोर्चा प्रदेश महासचिव रितु पंद्राम, संभागीय सचिव राजकुमार पोया, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कवलसाय, जिला महासचिव चंद्रदीप कोर्चो, कार्यवाहक अध्यक्ष देवसाय पोया, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष उदय मराबी, बलदेव कोराम संघठन मंत्री, छोटेलाल ब्लॉक अध्यक्ष प्रतापपुर, एवं अन्य ग्रामीण उपस्थिति रहे!

मेडिकल कॉलेज अस्पताल से स्टाफ नर्स की स्कूटी चोरी,सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर के अंदर खड़ी स्कूटी को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है, चोर ने पहले स्कूटी का हैंडल लॉक तोड़ा उसके पश्चात स्कूटी को चोरी कर वहां से फरार हो गया। मणिपुर पुलिस ने मामले में अज्ञात चोर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कार्य करने वाली स्टाफ नर्स संगीता केरकेट्टा राज की भांति शुक्रवार को ड्यूटी स्कूटी से आई थी। वह अस्पताल परिसर में मेडिकल रिकॉर्ड रूम के सामने अपनी स्कूटी खड़ी कर कार्य पर चली गई थी। शाम को जब उसकी ड्यूटी खत्म हुई और वह बाहर निकली तो देखा कि जहां वह स्कूटी खड़ी की थी नहीं था। जांच पड़ताल करने के पश्चात सीसीटीवी फुटेज में एक युवक स्कूटी का हैंडल लॉक तोड़ते हुए दिख रहा है और उसके बाद स्कूटी चोरी कर ले जाना दिखाई दे रहा है। चोरी की यह घटना शाम 6.30 बजे से 8 बजे के बीच की है,पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम सोहगा पतरापारा में 9 सितंबर को पुरानी रंजिश पर युवक ने एक व्यक्ति पर चाकू से गले पर जानलेवा हमला कर दिया था। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार मिनहाज खान दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम सोहगा पतरापारा का रहने वाला है। वह 4 सितंबर को अपने भाई अरबाज खान व अन्य लोगों के साथ गांव में ही दुकान से सामान लेकर वापस लौट रहा था। तभी सामू उर्फ श्यामू ने पुरानी रंजिश को लेकर चाकू से मिनहाज के गर्दन पर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं घटना की रिपोर्ट आहत के भाई अरबाज ने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी श्यामू पटेल उम्र 23 वर्ष निवासी सोहगा पतरापारा थाना दरिमा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

कुख्यात आरोपी कुलदीप का पैसा होता है खत्म,तो पुलिस करती है गिरफ्तार...

क्या अशफाक,संजीत का पैसा नहीं है खत्म इसलिए नहीं हुई उनकी गिरफ्तारी?

अपराध दर्ज होने के एक महीने बाद भी लोगों से ठगी करने वाले अशफाक व संजीत की गिरफ्तारी क्यों नही हुई?

लोगों का इतना पैसा ठग लिया अशफाक व संजीत ने की उनका पैसा ही खत्म नहीं हो रहा है,और इसलिए पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहे हैं वह?

अशफाक व संजीत से पैसा कैसे निकाले इस जद्दोजहद में है ठगी के शिकार हुए लोग

पुलिस कि समय पर कार्यवाही न करने की वजह से ही हो रही है घटनाएं

अपराध मामलों में पुलिस की उदासीनता कार्यवाही को लेकर ही अपराधों के घटित होने की वजह बन रही है। पुलिस अपराध मामले में कार्यवाही में विलंब करती है और अपराधी को अपराध के बाद मौका मिलता है वह अन्य अपराध करता है और वह धीरे धीरे अपराध मामले में निडर होता जाता है क्योंकि उसे पुलिस की कार्यवाही की लेट लतीफी समझ में आ चुकी होती है। वैसे कई बड़ी घटनाएं इसी की वजह से हो रही हैं यह भी कहना गलत नहीं होगा। सुरजपुर की ताजा घटना जो दोहरे हत्याकांड की घटना है वह इसी की परिणीति है। वैसे पुलिस यदि अब भी सचेत हो जाए कार्यवाही त्वरित करने लगे तो अपराध में कमी आएगी यह तय है।

अशफाक के शान शौकत का गुब्बारा फूटा

असफाक उल्लाह जब तक चिटफंड व्यवसाय से पैसा पाता रहा वह शान शौकत से ही नजर आता रहा। वह महंगी विदेशी गाड़ियों, सहित ज़रूरत की सभी आवश्यक चीजों की के लिए भी विदेशी उत्पाद पर ही निर्भर रहा,देश में निर्मित गाड़ियों की भी सभी रेंज उसके शान शौकत के लिए हाजिर थीं वहीं वह विदेश यात्रा भी लगातार करता रहा और अपनी रहिशी जाहिर करता रहा। लेकिन अब वही असफाक शान शौकत की सभी चीजों से दूर हो चुका है। विदेशी गाड़ियों सहित देशी सभी महंगी गाड़ियां अब उसकी बड़े निवेशक उठा ले गए हैं वहीं अब वह घर आने में भी डरता है और उसे खुद के साथ अपने परिवार की भी सुरक्षा की चिंता होने लगी है। असफाक उल्लाह के अब विदेश यात्राएं बंद हो चुकी हैं,देश के ही किस कोने में उसे छिपना है यही उसकी चिंता है। कुल मिलाकर एक शान शौकत वाला असफाक आज खाक छान रहा है।

अशफाक खान

संजीत

कुलदीप साहू

-समरोज खान-
सूरजपुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पुलिसिंग को लेकर सभी के मन में एक बात आ जाती है की पुलिस कहीं ना कहीं आरोपियों को संरक्षण देती है, क्योंकि आरोपी को पकड़ने में पुलिस की नाकामी ही इस बात की गवाह है, इस समय प्रदेश में जो पुलिसिंग की स्थिति है वह किसी से छुपी नहीं है प्रदेश में प्रदेश के पुलिस विभाग के मुखिया डीजीपी बिना जांच अभी तक हो रहे वारदातों पर चुप्पी साधे बैठे हैं, बाकी किया धराया गृहमंत्री के ऊपर भी ठीकरा फोड़ा जा रहा है, सरकार के फर्स्ट फ्हेज में स्वास्थ्य विभाग सुर्खियों में था और अब गृह विभाग सुर्खियों में है, अभी हाल ही में एक प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या करने वाला कुख्यात आरोपी कुलदीप साहू जो पुलिस के चंगुल से भाग गया था पर पैसा खत्म होने की वजह से पुलिस के हत्थे चढ़ गया, यह कहानी हमारी नहीं पुलिस की ही बनाई हुई कहानी है जिसे मानना या न मानना अपनी मर्जी है, पर यदि इस बात को मान भी लिया जाए तो एक बड़ा सवाल यह भी है कि यदि कुलदीप का पैसा खत्म हुआ तो वह गिरफ्तार हुआ, वहीं यदि ऐसा ही है तो क्या सूरजपुर के दो ठगी करने वाले व्यक्ति अशफाक व संजीत लोगों का करोड़ों रुपए लेकर गायब है क्या उनका पैसा खत्म नहीं हो रहा है? इसलिए पुलिस की पकड़ से वह दूर हैं? वैसे असफाक और संजीत के मामले में पहले तो शिकायत के लिए मोहताज थी पुलिस,अब जब शिकायत हो गई है तो उन्हें पकड़ने में नाकाम है पुलिस,पर वही कुख्यात आरोपी कुलदीप के पकड़े जाने के बाद लोगों को इस बात का एहसास हो गया है की ठगी करने वाले दोनों आरोपियों के पास लोगों से ठगा गया खूब पैसा है जो खत्म नहीं हुआ, जिस वजह से पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही है, आरोपियों का पैसा जिस दिन खत्म होगा उस दिन वह पुलिस के हत्थे चढ़ेंगे? अब ठगी के शिकार हुए लोगों को इस बात का इंतजार है की कब ठगी करने वालों का पैसा खत्म होगा और कब पुलिस के हत्थे चढ़ें?

अशफाक के विरुद्ध दो मामले दर्ज

असफाक उल्लाह ने वैसे तो कई सौ करोड़ की ठगी की है और एक दो नहीं सैकड़ों की संख्या में लोग उसके ठगी के शिकार हैं लेकिन अभी तक असफाक उल्लाह के विरुद्ध दो ही मामले शिकायत बतौर पुलिस को प्राप्त हुए हैं। शेष अन्य उसके निवेशकों को अभी भी उसके द्वारा पैसा लौटाए जाने का भरोसा है और और इसलिए अभी तक शिकायत और मामले में वृद्धि दर्ज नहीं हुई है। वैसे जिन्होंने मामले दर्ज कराए हैं वह भाग्यशाली साबित हो सकते हैं यदि पुलिस की जद में आया असफाक उल्लाह तो कुल दो ही देनदार होंगे असफाक के लिए और वह उनके पैसे लौटाकर बच निकलेगा और फिर और अन्य का पैसा रुक जाएगा और कभी नही मिल सकेगा।

संजीत के विरुद्ध एक मामला दर्ज

असफाक की तरह की सूरजपुर का एक और ठग है जो करोड़ों लेकर फरार है जो असफाक के बाद चिटफंड व्यवसाय में अपनी जड़ें जमाया और काफी कुछ इक्ट्ठा किया और उसका नाम संजीत है। संजीत भी बताया जाता है कि सैकड़ों लोगों का पैसा लेकर फरार है और वह भी अब तक केवल एक ही शिकायत में आरोपी है, अन्य मामले में वह इसलिए बरी क्योंकि उसके भी निवेशक अभी उससे आशा उम्मीद लगाए हुए हैं और वह इस उम्मीद में हैं कि वह कहीं न कहीं कभी न कभी उनका पैसा लौटाएगा और इसी कारण लोग उससे अभी उम्मीद लगाए बैठे हैं।

खराब पुलिसिंग को लेकर प्रदेश बदनाम,विपक्ष हावी

प्रदेश में पुलिसिंग को लेकर विपक्ष हावी है। विपक्ष खराब पुलिसिंग को लेकर सरकार को लगातार घेर रहा है और यह अब नजर भी आ रहा है कि पुलिस अपराधों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगा पा रही है। एकमात्र सूरजपुर की घटना दोहरे हत्याकांड वाली ऐसी घटना है जिसमे विपक्ष सरकार को नहीं घेर सका क्योंकि सभी आरोपी पार्टी के ही उनके सक्रिय पदाधिकारी थे सदस्य थे जिम्मेदार पदों पर वह आसीन थे। वर्तमान सरकार के कार्यकाल के 9 महीने में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंतनीय है और यदि यही हाल रहा तो स्थिति और खराब होगी। अब देखना है कि क्या अब भी पुलिस सचेत होती है और कानून व्यवस्था को लेकर वह सुधार लाती है।

नगर सेठ बनने वाले अशफाक खाक सेठ हो गया

असफाक उल्लाह कभी का नगर सेठ था,आज वह खाक सेठ हो गया है। कभी शहर सहित जिला मुख्यालय साथ ही जिलेभर में बैनर पोस्टर लगते थे उसके अब उसे गुमनामी की जिंदगी जीनी पड़ रही है। असफाक उल्लाह दुकान को अपने इतना हाई फाई बनवा चुका था वह अब दुकान में बैठ नहीं पा रहा है वहीं यह कहना भी गलत नहीं होगा कि यदि वह पकड़ा गया और सभी लेनदार पहुंच गए उसे दी दुकान भी बेचना पड़ेगा।

क्या ठगी करने वालों को पुलिस फरार रहने का मौका देकर कोई अप्रिय घटना होने देने का इंतजार कर रही है?

सुरजपुर पुलिस अभी हाल ही में बड़ी घटना और वारदात से दो चार हो चुकी हैं जहां पुलिस का संरक्षण एक युवक को इतना मनोबल प्रदान करता नजर आया कि उसने एक पुलिसकर्मी की ही पत्नी और पुत्री की निर्मम हत्या कर दी वहीं एक पुलिसकर्मी की उसने हत्या करने या उसे जान से मारने का भी प्रयास किया खौलता तेल उसके ऊपर डाल दिया साथ ही कई अन्य पुलिस कर्मियों पर उसने गाड़ी चढ़ाकर जान से उन्हें मारने का उसने प्रयास किया। एक युवक का इतना हिम्मत प्रदर्शन साथ ही एक बड़े अपराध को कारीत करने के पीछे की वजह यह थी कि वह पुलिस के साथ ऐसे संबध शायद बना चुका था कि वह उनसे निडर हो चुका था उनसे वह कितना दंडित होगा वह जान चुका था।असफाक और संजीत का मामला भी यदि देखें तो कहीं न कहीं पुलिस की भूमिका यहां भी सहयोगी ही नजर आ रही है और जब एक ठगी का व्यवसाय फल फूल रहा था और घटती-घटना लगातार इस मामले में ठगी का मामला उजागर कर रहा था तब जिले की पुलिस मौन थी और ठगों को संरक्षण देने का काम कर रही थी उनके कहने कर पत्रकार को ही सवाल जवाब के लिए बुलाकर परेशान कर रही थी । अब खबर दैनिक घटती घटना की सही साबित हुई और कई सौ करोड़ की ठगी जिले में दो लोगों ने की यह जाहिर हो चुका है साथ ही यह भी जाहिर हो चुका है कि पैसा अब दोनों के पास उतना नहीं जितने लेनदार हैं। अब मामले में शिकायत भी हुई है लेकिन पुलिस दोनों पर कार्यवाही से बच रही है और यदि यह सही है तो क्या वह किसी बड़ी घटना के लिए ठगों को मौका दे रही है या उनके ही विरुद्ध कोई बड़ी घटना हो जाए इसका इंतजार कर रही है। कुल मिलाकर इस मामले में पुलिस किसके निर्देश का या इंतजार कर रही है या पालन कर रही है यह भी एक बड़ा प्रश्न है।

जिले में कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए काम करेंगेःठाकुर

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पहली प्रेस वार्ता में पत्रकारों से चर्चा करते हुए सूरजपुर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा है कहीं दो टूक बात अपराधियों की खैर नहीं वह अवैध धंधों पर उड़ता रहेगा अंकुश आम जनता के लिए मददगार बनेगी पुलिस, जनता के सहयोग से करेंगे बेहतर पुलिसिंग की कल्पना, साथ ही जिले में शांति और सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता होगी। कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर हो, इसके लिए काम करेंगे। इसके दिशा निर्देश दिए गए हैं। अपराधों को रोकने हर संभव प्रयास होंगे। नशे के साथ अन्य अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूरजपुर के नाव पदस्थ एसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कल ही पदभार ग्रहण किया। स्थानिय पत्रकारों से सौजन्य भेंट में उन्होंने कहा कि आज के समय में पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती साइबर क्राइम को रोकना है। इसके लिए उन्होंने लोगों को सावधान करने व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि थानों में मुसाफिरी लिखी जाएगी ताकि बाहरी लोगों पर नजर रखी जा सके। किरायेदारों की भी पुलिस पूरी जानकारी रखेगी। पुलिस का खौफ अपराधियों में रहे और आम लोगों को पुलिस की सुरक्षा का अहसास हो, ऐसी पुलिस व्यवस्था कायम करने की कोशिश होगी। गुंडा बदमाशों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। श्री ठाकुर ने जिले की यातायात व्यवस्था में सुधार लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि वे खुद सड़कों पर निकल कर जाम की स्थिति देख चुके हैं। राहगीरों की सहूलियत का पूरा ख्याल रखा जाएगा। कानून- व्यवस्था बनाए रखना ही पुलिस का काम है और इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि कल पदभार ग्रहण करते ही एक आरक्षक की लापरवाही सामने आई थी, जिसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। पहले ही प्रेसवार्ता में उन्होंने साफ कर दिया अपना नजरिया- उन्होंने कड़ा तेवर दिखाते हुए कहा कि थाना क्षेत्र में यदि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार की सूचना मिली तो सीधे थाना प्रभारी व उस क्षेत्र के बीट प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई होगी जनता को परेशान करने वाले व पुलिस की छवि धूमिल करने वाले पुलिसकर्मियों को नहीं बख्शा जाएगा,साथ ही उन्होंने अवैध नशीले पदार्थों, जुआ, सट्टा, व शराब, गांजा के कारोबार करने वाले के ऊपर कड़ी कार्रवाई करने को कहा। नवपदस्थ एसपी ने कहा सूरजपुर जिले के कीसी भी थाना क्षेत्र से अगर मादक पदार्थों के कारोबार की सूचना मेरे संज्ञान में आई तो सीधे थाना प्रभारी और बीट प्रभारी के ऊपर कार्यवाही की जाएगी।

जनता को परेशान किया तो कार्रवाई के लिए रहें तैयार

कड़ा रुख अपनाते सभी थाना व चौकी प्रभारी यो ?से कहा कि किसी भी प्रकार का अवैध वसूली, बेवजह किसी आम जनता को परेशान करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा, जिससे पुलिस की छवि धूमिल हो। जिले में कम दिनों के लिए बेहतर पुलिसिंग करेंगे वहीं अपराधियों के लिए कोई भी मरावत नहीं होगी।

क्या ग्राम व नगर निवेश कार्यालय में रिश्वत दीजिए और कुछ भी कराइए वाला चलन ज्यादा प्रभावी?

नियमितीकरण के अर्थदंड को कम करने के लिए आधा तोर आधा मोर में होता है सौदा तयःसूत्र

व्यवसायिक भवन निर्माण अनुज्ञा के लिए ली जाती है भारी भरकम रिश्वत तब मिलता है प्रमाण-पत्र

क्या व्यावसायिक भवन निर्माण अनुज्ञा प्रमाण-पत्र निर्माण के बाद देने की प्रथा है कोरिया ग्राम नगर निवेश की

-रवि सिंह-
कोरिया,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के ग्राम एवं नगर निवेश कार्यालय में जमकर भर्राशाही है यहां पर बिना रिश्वत के कोई भी काम नहीं होता, यहां तक कि एक नई प्रथा चल रही है व्यावसायिक भवन निर्माण अनुज्ञा प्रमाण पत्र जो निर्माण से पहले लिया जाता है वह इस समय निर्माण के बाद देने की प्रथा कोरिया में शुरू हो गई है, इसके कई उदाहरण है जो जांच का विषय है, वही नियमितीकरण के अर्थदंड को कम करने के लिए अधिकारी व कर्मचारी आधा तोर आधा मोर में सौदा करके सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं, सूत्रों का कहना है की जिनका अर्थ दंड लाखों में होता है उसे कम करने के लिए अधिकारी कर्मचारी मुंह मांगा रही तय करके रिश्वत लेते हैं, अर्थदंड शुल्क जितना कम होता है उसका आधा हिस्सा अधिकारी व कर्मचारी लेते हैं, यह प्रथा नगर निवेश कार्यालय के राजेश तारम के द्वारा शुरू की गई है...वही सहसंचालक की भी भूमिका संदिग्ध है राजेश तारम जो निरीक्षक हैं उन्हें संचालक का संरक्षण प्राप्त है जिस वजह से वह उगाही सिस्टम शुरू कर दिए हैं और रिश्वत प्रथा चरम पर है ऐसा सूत्रों का दवा। जानकारी कैसे जा रही बाहर इसे पता करने में अधिकारी कर्मचारी व्यस्त- अपनी कमियों को दूर करने की बजाय कार्यालय की कमियां कैसे पत्रकारों को पता चल रही है इस पर कार्यालय के अधिकारी कर्मचारियों का ज्यादा ध्यान है वह सभी पर शक कर रहे हैं, यहां तक की बिना अनुमति के कैमरा भी लगाया गया है अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि उनके रिश्वत लेने का भंडाफोड़ ना हो इसीलिए अपने ही इस निकट वालों पर निगरानी रखने लगे हैं, कमियां बाहर ना आए इसके लिए जद्दोजहद कर रहे हैं पर कमियां दूर हो इसके लिए उनकी दिलचस्पी बिल्कुल भी नहीं है क्योंकि पैसे लेने की लत लग चुकी है जो चाहने से भी नही छूटने वाली।

खबर उजागर होने के बाद भी प्रभारी डीपीएम के नर्सिंग कॉलेज भवन की निर्माण की अनुज्ञा प्रमाण पत्र देने की जुगद में नगर निवेश कार्यालय

नगर निवेश कार्यालय की कमियों वाली खबर प्रकाशन के बाद भी नगर निवेश कार्यालय अपनी कार्यप्रणाली सुधार लाने की बजाए अपनी मनमानी में जुटा हुआ है और अब वह प्रभारी डिपीएम सुरजपुर के निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज भवन की अनुज्ञा जारी करने की जुगत में है ऐसा बताया जा रहा है। बता दें कि नगर निवेश कार्यालय के द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है और अब जल्द ही अनुज्ञा जारी की जाएगी ऐसा सूत्रों का कहना है बता दें कि अनुज्ञा के लिए सभी तैयारी करके रख ली गई है।

निरीक्षक राजशे तारम की शिकायतें अधिक

ग्राम नगर निवेश कार्यालय जिला कोरिया में सबसे ज्यादा किसी की शिकायत है यदि तो वह राजेश तारम की है। राजेश तारम के द्वारा कार्यालय के नियम तय हैं और शुल्क भी तय हैं किसे क्या कब लेना देना है। कब अनुज्ञा मिलेगी कौन पाएगा किसका रुकेगा यह सब कुछ राजेश तारम ही तय करता है। वैसे राजेश तारम खबर प्रकाशन उपरांत काफी परेशान भी हैं पूर्व की एक खबर को लेकर क्योंकि उन्हें यह अब लग रहा है कि कौन उनकी जानकारी कार्यालय की जानकारी बाहर भेज रहा है। कुल मिलाकर अब कार्यालय में कदम फूंक फूंककर रख रहे हैं लोग।

कोरिया नगर निवेश कार्यालय इस समय सुर्खियों में नियम विरुद्ध तरीके से भी दी जा रही है निर्माण की अनुमति

कोरिया जिले का नगर निवेश कार्यालय इस समय अत्यधिक सुर्खियों में है। यहां अब नियम विरुद्ध तरीके से अनुज्ञा प्रदान की जा रही है। अब अनुज्ञा के लिए अनुचित मांग पूरी करने पर जो अर्थ संबधी मांग है के बाद की अनुज्ञा मिल रही है। सूत्रों की ही माने तो उनकी अनुज्ञा रोक दी जा रही है जो कुछ देने से मना कर रहें उन्हें घुमाया भी जा रहा है। कुल मिलाकर सभी कुछ लेनदेन आधारित हो चुका है। नगर निवेश कार्यालय पहली बार इतनी सुर्खियां बटोर रहा है। बता दें कि नगर निवेश कार्यालय और किसी अधिकारी की इसके पहले कोई शिकायत नहीं आई। जबसे तारम जी आए हैं विभाग सुर्खियों में है।

निरीक्षक के हाथों में है रिश्वत कलेक्शन की जिम्मेदारीःसूत्र

बताया जा रहा है कि नगर निवेश कार्यालय की वसूली या रिश्वत कलेक्शन की जिम्मेदारी निरीक्षक के पास है। किससे क्या वसूली करना है यह निरीक्षक ही तय करते है और वही इकट्ठा करके रखता है। निरीक्षक अब इसके बाद किस तरह हिस्सा लगाते हैं इसकी जानकारी तो नहीं मिल पा रही है लेकिन वसूली में उनकी रुचि अधिक है यह पता चल रहा है। वैसे वसूली का तरीका भी उनका अनोखा है जिसमें पकड़े जाने का उन्हें कम भय है यह भी बताया जा रहा है।

प्रदेश में कई मामले आ गए कहीं कलेक्टर कार्यालय जला तो कहीं थाने पर पथराव हुए पर डीजीपी की खामोशी प्रदेश का हाल बयां कर रही

पुलिस कस्टडी में एनआरएचएम में पदस्थ संविदा कर्मी के मौत पर आक्रोशित भीड़ ने एडिशनल एसपी निमिषा को पीटा

लाठी चप्पल और पत्थरों से दौड़ाकर महिलाओ ने पीटा एडिशनल एसपी को

पहले बलौदा बाजार,कवर्धा, सूरजपुर और अब बलरामपुर में पुलिस विभाग की हुई किरकिरी

थाने में प्यून की आत्महत्या मामला प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज,छोड़े टियर गैस, भीड़ ने थाने पर किया पथराव

संविदा कर्मी की थाने में फांसी लगाए जाने की बात पर बलरामपुर में जमकर हुआ बवाल,टायल जलाकर प्रदर्शन

भीड़ को खदेड़ने पुलिस ने किया बल का प्रयोग,उग्र भीड़ ने थाने में जमकर की तोड़फ़ोड़..तीन दिन से गुस्से से उबल रहा जिला

-विशेष संवाददाता-

बलरामपुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ इस समय पुलिसिंग को लेकर बदनाम होती जा रही है अलग-अलग जिलों में कई बड़ी घटनाएं भी हो चुके जो किसी से छुपी नहीं, पर पूरे मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के मुखिया यानी कि डीजीपी की खामोशी क्या इस और इशारा कर रही है कि वह अपने विभाग को संभाल पाने में नाकाम है? क्योंकि अब यह बात विपक्ष भी कहने लगा है और कह भी क्यों ना क्योंकि उन्हें तो मौका मिला है, और वह तो निशान साधेंगे ही क्योकि मौका अच्छा है वर्तमान सरकार की छवियां पर वह कटाक्ष तो करेंगे, पर सवाल यह खड़ा होता है कि क्या छत्तीसगढ़ पुलिस के डीजीपी ऐसी वारदातों पर काबू पाने के लिए अपनी पुलिस को तैयार नहीं कर पाए हैं? या फिर जिन्हें जिम्मेदारी दी जा रही है वह जिम्मेदारी निभानी में नाकाम है और अपने मुखिया के सर को झुकना की जिम्मेदारी उठा लिया है? यह बात बलरामपुर घटना के बाद होना जरूरी भी है क्योंकि छत्तीसगढ़ में बलोदा बाजार, कवर्धा, सूरजपुर के बाद अब बलरामपुर में पुलिस की किरकिरी हो रही है, बलरामपुर जिले में वर्तमान भाजपा सरकार के 10 महीने के कार्यकाल में ही पुलिस कस्टडी में मौत का पहला मामला आ गया और यह मामला आया तो जरूर पर कई सवाल भी लाया, जिसकी पुलिस कस्टडी में मौत हुई है उसके विरुद्ध शिकायत हुई थी पर शिकायत पर पुलिस कार्यवाही ना करके प्रताड़ित करने पर लगी हुई थी, उसका नतीजा यह हुआ कि थाने के ही बाथरूम में युवक की संधि हालत में फांसी लगाने की जानकारी ने पूरे जिला को अशांत कर दिया, जैसे ही यह बात बहार आई पूरा जिला उबलने लगा, जिसकी मृत्यु हुई वह स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी था इस वजह से विभाग के लोग भी विरोध में शामिल हो गए, पुलिस की लापरवाही एक बार फिर सामने आई, पुलिस की गलती पर नजर डाले तो पुलिस की गलती इतनी ही थी की अपने व्यवहारों में सुधार नहीं लाया, पुलिस पहले की तरह ही अभी भी कार्य कर रही है जिसका नतीजा था पुलिस कस्टडी में एक और मौत, पुलिस कार्यवाही के बजाय उगाही पर ध्यान ज्यादा और प्रताड़ित करना उद्देश्य ही पुलिस की कार्यप्रणाली को चार चांद लग रहा है, पुलिस पास का जब मृतक के खिलाफ शिकायत थी तो कार्यवाही क्यों नहीं की गई? कार्यवाही करके जेल क्यों नहीं भेजा गया? बुला बुलाकर प्रताड़ित क्यों किया जा रहा था? क्या यही प्रताड़ना ही पुलिस कस्टडी में एक व्यक्ति के मौत की कारण बनी?

महिलाओं ने एडिशनल एसपी को चप्पल व डंडे से मारा,बरसाए पत्थर,जान बचाकर भागीं,फिर भी हुईं घायल

बलरामपुर अस्पताल में पीएम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था। इसी दौरान अस्पताल परिसर में मौजूद महिलाएं फिर उग्र हो गईं। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहीं जशपुर की एडिशनल एसपी निमिशा पांडेय पर हमला कर दिया। एएसपी उन्हें शांत रहने के लिए कहती रहीं, लेकिन महिलाओं ने उन्हें चप्पल व डंडे से मारा। पत्थर मारने के दौरान जब वे भागने लगीं तो गिर गईं। इससे उन्हें चोटें भी आई हैं।

यह है पूरा मामला

एनआरएचएम में पदस्थ प्यून द्वारा बलरामपुर थाने के टॉयलेट में फांसी लगाने की घटना के बाद जमकर बवाल मच गया है। एनआरएचएम कर्मचारियों के अलावा नगरवासी व मृतक के परिजनों ने नेशनल हाइवे पर टायर जलाकर चक्काजाम किया तथा पुलिस के खिलाफ नारे लगाए। उग्र प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने उन्हें खदेड़ने भीड़ पर लाठी चार्ज कर दिया। इससे गुस्साए लोगों ने पुलिस पर पथराव किया तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इससे लोग और बिदक गए और थाने पर पथराव कर दिया। इससे खिड़कियों के कांच फूट गए। प्रदर्शन रात तक चलता रहा। हम आपको बता दें कि बलरामपुर के ग्राम संतोषीनगर निवासी निवासी गुरुचंद मंडल 30 वर्ष एनआरएचएम कार्यालय में संविदाकर्मी के रूप में प्यून के पद पर पदस्थ था। उसकी पत्नी रीना मंडल पिछ्ले 20 दिनों से घर से गायब है। इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट बलरामपुर थाने में दर्ज है। गुमशुदगी को लेकर शक के आधार पर पुलिस ने गुरुवार की दोपहर करीब 2 बजे उसे थाने में बुलाया था। इसी बीच करीब 3.30 बजे उसकी लाश थाने के टॉयलेट में फांसी पर लटकी मिली। बताया जा रहा है कि युवक ने टॉयलेट में जाकर गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। युवक का फांसी के फंदे पर देख पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए। फिर उन्होंने तत्काल इसकी सूचना थाना प्रभारी समेत एसपी को दी।

घटना की सूचना जैसे ही एनआरएचम में पदस्थ कर्मचारियों तथा चिकित्सकों को हुई, वे तत्काल थाने पहुंच गए...

घटना की सूचना जैसे ही एनआरएचम में पदस्थ कर्मचारियों तथा चिकित्सकों को हुई, वे तत्काल थाने पहुंच गए। इसके अलावा मृतक के परिजन सहित अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि चिकित्सक व कर्मचारी घटनास्थल की स्थिति को देखकर पूरे मामले को समझना चाह रहे थे कि आखिर किन परिस्थितियों में गुरुचंद की मौत हुई। पुलिस द्वारा घटनास्थल दिखाने से साफ इंकार कर दिया। इससे कर्मचारियों, परिजन व अन्य लोगों का आक्रोश फूट पड़ा तथा उन्होंने थाने का घेराव कर जमकर हंगामा मचाया, फिर उन्होंने एसपी कार्यालय के सामने नेशनल हाइवे पर टायर जलाकर चक्काजाम कर दिया। उग्र होता देख थाना व एसपी कार्यालय के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। दरअसल लोग मृतक के पिता से मिलना चाह रहे थे, जिन्हें थाने के अंदर बैठाकर रखा गया था, जब काफी देर बाद भी पिता को बाहर नहीं लाया गया तो लोगों का आक्रोश फूट पड़ा।

रेलिंग तोडक़र थाना परिसर में घुसी भीड़,छावनी में हुआ तब्दील

मौके पर मौजूद प्रदर्शनकारी रेलिंग तोड़ते हुए थाना कैंपस में घुस गए, इस दौरान उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। टियर गैस भी छोड़े गए। जवाब में प्रदर्शन में शामिल कुछ लोगों ने थाने पर पथराव किया। उन्होंने थाने के खिड़कियों में लगे कांच के शीशे पत्थर से तोड़ दिए। देर रात तक लोग वहीं डटे रहे तथा चक्काजाम जारी था। तनाव की स्थिति देखते हुए पूरे जिले से पुलिस बल मंगाकर थाने के 200 मीटर दायरे को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

पीएम के बाद प्यून के डेड़ बॉडी को लेने से परिजनों ने किया इनकार, अस्पताल परिसर में मचा बवाल,महिला-पुरुषों ने पुलिस पर किया हमला

एनआरएचएम के प्यून की थाने में फांसी लगाकर आत्महत्या मामले में बलरामपुर में बवाल मचा हुआ है। रात में जहां उग्र प्रदर्शन कर रही भीड़ पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था तो भीड़ ने थाने पर पथराव किया था। शुक्रवार को प्यून के शव का जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा पीएम किया गया। इसके बाद परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया।

शव का हुआ पीएम,न्यायिक जांच शुरु

शुक्रवार को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल से फॉरेसिंक पीएम एक्सपर्ट डॉ. संतू बाग व डॉ. रवि बलरामपुर अस्पताल पहुंचे थे। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वीडियोग्रॉफी कराकर मृतक के शव का पीएम कराया गया। वहीं मामले की जांच के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार साहू द्वारा मजिस्ट्रियल जांच के लिए बलरामपुर के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दीपक शर्मा को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। इनकी उपस्थिति में ही पीएम किया गया। इधर एनएचआरसी के प्रावधान के तहत मामले की न्यायिक जांच शुरु हो गई है।

नौकरी व मुआवजे की मांग

मृतक के परिजनों ने पीएम के बाद उसका शव लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद काफी संख्या में भीड़ ने एनएच पर चक्काजाम कर दिया। इसके बाद प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश देने का प्रयास किया। इधर परिजनों ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी, मुआवजा समेत 5 मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। करीब डेढ़ घंटे तक चले चक्काजाम के बाद एसडीएम द्वारा निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया गया। इसके बाद वे शव ले जाने को राजी हुए।

थाना प्रभारी व आरक्षक सस्पेंड

थाने में प्यून द्वारा फांसी लगा लिए जाने के मामले में मचे बवाल के बीच एसपी वैभव बैंकर रमन ने बलरामपुर थाना प्रभारी प्रमोद रुसिया व आरक्षक अजय यादव को सस्पेंड कर दिया है। इधर पीसीसी ने मामले की जांच के लिए 8 सदस्यीय टीम बनाई है। टीम में संयोजक अंबिकापुर महापौर डॉ. अजय तिर्की व सदस्यों में शफी अहमद, राजेंद्र तिवारी, मधु गुप्ता, सीमा सोनी, केपी सिंह, लाल साय तथा दिनेश यादव शामिल हैं।

आज अनूपपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार

-संवाददाता-

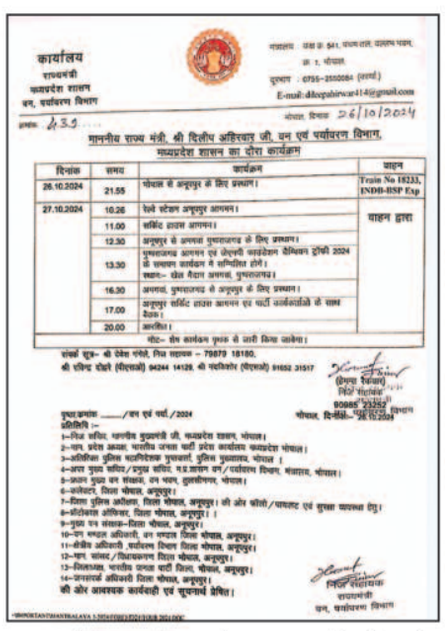

अनूपपुर,26 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

राज्य मंत्री मध्य प्रदेश शासन वन पर्यावरण विभाग के मंत्री दिलीप अहिरवार 27 अक्टूबर 2024 को अनूपपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 26 अक्टूबर 2024 को भोपाल से अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे और 27 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10:26 पर अनूपपुर रेलवे स्टेशन आगमन, 11:00 बजे सर्किट हाउस आगमन, 12:30 बजे अनूपपुर से अमगवां पुष्पराजगढ़ के लिए प्रस्थान, 1:30 पर पुष्पराजगढ़ अमगवां एवं अन्य कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। शाम 4:30 बजे अमगवां पुष्पराजगढ़ से अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। 5:00 बजे अनूपपुर सर्किट हाउस आगमन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक होना है। भाजपा जिला अध्यक्ष रामदासपुरी ने प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने की सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से अपील की है।

कार्यालय राज्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन वन, पर्यावरण विभाग

भोपाल, दिनांक 26/10/2024

माननीय राज्य मंत्री, श्री दिलीप अहिरवार जी, वन एवं पर्यावरण विभाग, मध्यप्रदेश शासन का दौरा कार्यक्रम

दिनांक	समय	कार्यक्रम	वाहन
26.10.2024	21.55	भोपाल से अनूपपुर के लिए प्रस्थान।	Train No 18233, INDB-BSP Exp
27.10.2024	10.26	रेलवे स्टेशन अनूपपुर आगमन।	वाहन द्वारा
	11.00	सर्किट हाउस आगमन।	
	12.30	अनूपपुर से अमगवां पुष्पराजगढ़ के लिए प्रस्थान।	
	13.30	[illegible]	
	16.30	अमगवां, पुष्पराजगढ़ से अनूपपुर के लिए प्रस्थान।	
	17.00	अनूपपुर सर्किट हाउस आगमन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक।	
	20.00	आरक्षित।	

नोट- शेष कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा क्रमांकः सी.ई.सी./बी.एस.पी./24–25/11 दिनांक 08-10-2024 (ओपन टेंडर) (सिंगल पैकेट सिस्टम)

कार्य : "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोरबा–अम्बिकापुर (180 किमी.) नई लाइन के मध्य एफ.एल.एस. कार्य के लिये अंतिम स्थान सर्वेक्षण आयोजित करना, भू–तकनीकी जांच के लिये क्षेत्र विवरण के संग्रह सहित जीएडी और अन्य ड्राइंग की तैयारी और सर्वेक्षण रिपोर्ट एवं एस्टिमेट आदि की तैयारी सहित संबंधित विभिन्न कार्य का कार्यान्वयन हेतु।" निविदा मूल्य : ₹ 44,966,893.55/–, अमानत राशिः ₹ 3,74,800.00, निविदा दस्तावेज की लागतः शून्य, कार्य पूरा होने की तिथिः 06 (छः) महीना स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 06–11–2024 को 15.00 बजे तक। निविदा खोलने का समय एवं दिनांकः 06–11–2024 को 15.30 बजे तक। विस्तृत जानकारी/ निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर–पिन 495004 अथवा उप मुख्य परियोजना प्रबंधक पश्चिम/निर्माण/नागपुर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर – पिनः 440001 के कार्यालय से संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण
CPR/10/FL/313 द. पू. म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

RO No. BSP-486/24-25

कलेक्टर कार्यालय एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, (स्थानीय निर्वाचन) बलरामपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

मुद्रण कार्य के लिए निविदा सूचना

क्रमांक -550 दिनांक 24-10-2024

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला बलरामपुर-रामानुजगंज(छ.ग.) में वर्ष 2024-25 में होने वाले पंचायत चुनावों के लिए मतपत्रों के मुद्रण हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा फार्म (जिसका कि मूल्य 100/-है) कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में भरी निविदाएं कलेक्टर कार्यालय में दिनांक 18/11/2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक प्राप्त की जाएगी और उसी दिन अपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी।
2. मुद्रण के लिए कागज कलेक्टर द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।
3. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कलेक्टर कार्यालय में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

कलेक्टर
एवं जिला निर्वाचन अधिकारी(स्थानीय निर्वाचन)
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
वास्ते सचिव,छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग छत्तीसगढ़

जी नंबर-242503457/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि - 19/10/2024

ई-प्राक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करे http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-स.क्रं.01 पत्थलगांव एवं संभाग क्रं 02 जशपुर संभाग
03. स0क्रं0 - स0क्रं0 01 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार स0क्रं0 02 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार ।
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 05/11/2024

सरल क्र0	एन.आई.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	112	संभाग पत्थलगांव अंतर्गत लैलूंगा कोतबा लवाकेरा मार्ग लंबा 44.40 कि0मी0 में रोड मार्किंग एवं रोड फर्निचर का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	44.71
2	113	सी जी0आर0 आई0डी0सी0एल0 योजनांतर्गत कुनकुरी तपकरा लवाकेरा मार्ग के कि0मी0 1 से 21, 24/8 से 30/8, 41/8 से 42 एवं 44/6 से 56/8= 40.60 कि0मी0 में रोड फर्निचर एवं रोड मार्किंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	199.99

जी0नं0 -242503428/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल,अम्बिकापुर

संक्षिप्त खेल की खबरें

पैन पैसिफिक ओपन के सेमीफाइनल में हारीं केटी बौल्टर

टोक्यो,26अक्टूबर 2024। ब्रिटेन की नंबर-1 खिलाड़ी केटी बौल्टर शनिवार को अमेरिकी वाइल्डकार्ड सोफिया केनिन से सेमीफाइनल में सीधे सेटों में हारकर पैन पैसिफिक ओपन से बाहर हो गईं।वर्ष का तीसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहीं बौल्टर को पूर्व विश्व नंबर-4 खिलाड़ी के हाथों एक घंटे 30 मिनट में 6-4, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।पहले सेट में बौल्टर की सर्विस दो बार टूटी और केनिन ने पहली बार सेट के लिए सर्व करने पर उनमें से एक ब्रेक को रिकवर करने के बावजूद इसे कायम नहीं रख सकी। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2020 चैंपियन ने आखिरकार अपने दूसरे मौके पर सेट अपने नाम कर लिया।

अमेलिया केर चोट के कारण भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली,26अक्टूबर 2024। न्यूजीलैंड की महिला ऑलराउंडर अमेलिया केर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सीरीज के पहले मैच में मांसपेशी में चोट लगने के बाद भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गई हैं।इस मुकाबले में अमेलिया ने 4-42 का शानदार स्पैल डाला और वह नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी थीं। वह 25 रन बनाकर नाबाद रहीं, हालांकि न्यूजीलैंड की टीम 227 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 40.4 ओवर में 168 रन पर ऑल आउट हो गई।

पाकिस्तान ने सिर्फ 3.1 ओवरों में ही इंग्लैंड को हरा दिया

- टेस्ट इतिहास का महारिकॉर्ड
- पाकिस्तान टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की है
- उसने बिना बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के कमाल कर दिया
- उसने दूसरा मैच जीता और फिर तीसरा मैच जीतते हुए सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली

रावलपिंडी,26अक्टूबर 2024। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने पहले मुकाबले में हार के बाद जबरदस्त वापसी की है। उसने दूसरे मैच के बाद तीसरे में भी शानदार जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने पहली पारी में 267 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान ने पहली पारी में 344 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसने इंग्लैंड की दूसरी पारी को सिर्फ 112 रनों पर समेट दिया। उसे दूसरी पारी में सिर्फ 36 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे उसने एक विकेट खोकर 3.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। यानी उसे यह मैच जीतने में सिर्फ 19 गेंद लगे।

छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को पहला झटका 14 रनों के पर लगा। सैम अयूब को 8 रनों के निजी स्कोर पर जैक लीच ने एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद अब्दुल्लाह शफीक और शान मसूद ने कोई झटका नहीं लगने दिया। शफीक 5 रन पर नाबाद रहे तो कप्तान शान मसूद ने 6 गेंदों में 4 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 23 रनों की पारी खेली।

मैच में जैसे ही उन्होंने शोएब बशीर को छक्का लगाया तो पाकिस्तानी टीम के प्लेयर्स की खुशी देखते बन रही थी। यह शान मसूद के लिए भी बड़ी बात है, क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद उन्हें कप्तानी से हटाने की बात चल रही थी। ऐसे मौके पर इस तरह से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतना बेहद खास है। रोचक बात यह है कि इस टीम में न तो बाबर आजम हैं, न ही शाहीन अफरीदी और न ही नसीम शाह। इसके बावजूद पाकिस्तान ने कमाल किया।

पाकिस्तान की जीत के हीरो रहे नोमान अली और साजिद खान। इन दोनों ने एक बार फिर दूसरी पारी में सभी 10 विकेट अपने नाम किए। साजिद ने 4 और नोमान ने 6 विकेट झटके। दूसरी पारी में इंग्लिश पारी सिर्फ 112 रनों पर ढेर हो गई थी, जबकि जो रूट सबसे अधिक 33 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान

नई दिल्ली,26अक्टूबर 2024। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत 8 नवंबर से होगी। पहला मैच किंग्समीड में खेला जाएगा, दूसरा 10 नवंबर सेंट जार्ज ओवल में, तीसरा 13 नवंबर सुपरस्पोर्ट पार्क स्टेडियम में और चौथा टी20 15 नवंबर को वान्डेरर्स स्टेडियम में खेला जाएगा। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेले जाएंगे। भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथ में होगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 में कुल 27 मैच खेले गए हैं। इन 27 मैचों में से भारत ने 15 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका 11 बार विजयी हुआ है। 1 मैच बिना किसी नतीजे के रहा है। हेड टू हेड में भारतीय टीम आगे है। देखना होगा कि नवंबर में होने वाली टी20 सीरीज में कौन सी टीम जीतती है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्ष पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैश्य, आवेश खान और यश दयाल।

भारत को सीरीज जीतने के लिए बल्लेबाजों से निरंतरता की उम्मीद

मुंबई,26अक्टूबर 2024। भारत रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे महिला वनडे में सीरीज जीतने के लिए बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।भले ही भारत ने पहला मैच 59 रन से आसानी से जीता हो, लेकिन बल्लेबाजों ने शुरुआत में ही खराब शुरुआत की और उनकी पारी में कई 30 और 40 रन बने।मेजबान टीम इस मैच में अपनी रणनीति में बदलाव चाहेगी और कप्तान स्मृति मंधाना को कमान संभालनी होगी, जो पिछले मैच में डेब्यू करने वाली तेजल हसब्निस ने किया था।बाएं हाथ की यह खूबसूरत बल्लेबाज पहले मैच में आठ रन पर आउट हो गई थी और पिछले एक महीने से उसका खराब प्रदर्शन जारी है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की सीरीज बराबर करने की महत्वाकांक्षा को गहरा झटका लगा, क्योंकि करिश्माई ऑलराउंडर एमिली केर पहले मैच में बाएं क्वाड्रिसेप की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सीरीज से बाहर हो गईं।रविवार को घर लौटने वाली केर को अपनी ग्रेड वन चोट से उबरने के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय लगेगा। व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, ÷हम वास्तव में मेली के लिए दुखी हैं।÷

डी मिनौर वियना ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

वियना,26अक्टूबर 2024। एलेक्स डी मिनौर ने जकूब मेनसिक को 6-7(2), 6-3, 6-4 से हराकर वियना ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ निट्टो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें अब भी कायम है। एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 9वें स्थान पर मौजूद इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने कड़ी मेहनत करते हुए दो घंटे 34 मिनट में जीत हासिल की।

शुरुआती सेट टाई-ब्रेक में जाने के बाद मेनसिक ने सबसे पहले गियर बदला और अपना पलड़ा हावी करने की पूरी कोशिश की। उन्होंने आक्रामक ग्राउंड स्ट्रोक का इस्तेमाल करते हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को गलतियां करने पर मजबूर किया, जिससे उन्होंने पहला सेट 7-6(2) से जीत लिया।

डी मिनौर ने दूसरे सेट के छठे गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल करके जवाब दिया और 6-3 से सेट जीतकर मैच को बराबरी पर ला खड़ा किया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने तीसरे सेट के पांचवें गेम में फिर से मेनसिक की सर्विस तोड़ी और मैच के बाकी समय तक नियंत्रण बनाए रखा।

हार के बावजूद, मेनसिक दिसंबर में होने वाले नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह पर हैं। 19 वर्षीय यह खिलाड़ी एटीपी लाइव रेस टू जेद्दा में तीसरे स्थान पर है।

ब्रैंडन इनग्राम ने पेलिकन्स को ट्रेल ब्लेजर्स पर 105-103 से पीछे से जीत दिलाई

लंदन,26अक्टूबर 2024। ब्रैंडन इनग्राम ने 4.9 सेकंड बचे रहते जम्पर मारा और न्यू ऑरलियन्स पेलिकन्स ने शुक्रवार रात पोर्टलैंड ट्रेल ब्लेज़र्स को 105-103 से हराकर पीछे से वापसी की।न्यू ऑरलियन्स तब तक पीछे चल रहा था जब तक कि सीजे मैककॉलम ने 3-पॉइंटर और फ्लोटर लगाकर 8-20 मिनट शेष रहते स्कोर 91 पर बराबर नहीं कर दिया। जॉर्डन हॉकिन्स ने फ्री थ्रो करके न्यू ऑरलियन्स को आगे कर दिया। डैनियल थीस के लेअप पर पेलिकन्स ने बढ़त को 97-91 तक बढ़ाया।एंफर्नी सिमंस के जम्पर ने पोर्टलैंड को 2-24 मिनट बचे रहते फिर से आगे कर दिया।

मनिका बत्रा ने स्कॉज को हराकर डब्ल्यूटीटी चैंपियंस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली,26अक्टूबर 2024। स्टार भारतीय पैडलर मनिका बत्रा ने फ्रांस के मोंटपेलियर में डब्ल्यूटीटी चैंपियंस इवेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने के लिए रोमानिया की दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नडेट स्ज़ोक्स को चौंका दिया।दुनिया की 30वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने शुक्रवार रात को राउंड ऑफ 16 के मैच में आठवीं वरीयता प्राप्त स्ज़ोक्स के खिलाफ 29 मिनट में 3-1 (11-9 6-11 13-11 11-9) से जीत हासिल की।कई कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक विजेता बत्रा ने तीसरे गेम में दो गेम प्वाइंट बचाकर अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर अगले गेम में अपना दूसरा मैच प्वाइंट बनाकर टाई को सील कर दिया।स्ज़ोक्स के खिलाफ़ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में बत्रा अब 6-5 की बढ़त हासिल कर चुकी हैं।

उन्होंने पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानिया पर भारत की 3-2 की जीत में भी स्ज़ोक्स को हराया था।बत्रा का अगला मुकाबला शनिवार को चीन की कियान तियानी से होगा।विश्व की 21 वें नंबर की खिलाड़ी कियान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और हमवतन वांग यिदी को 16वें राउंड के एक अन्य मैच में 3-0 (11-7 11-9 13-11) से हराया।बत्रा ने पहले राउंड में यूएसए की लिली झांग को 3-0 (11-4 11-8 12-10) से हराया था। महिला एकल में भाग लेने वाली अन्य भारतीय खिलाड़ी श्रीजा अकुला पहले राउंड में प्यूर्टो रिको की विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी एड्रियाना डियाज से 2-3 (11-6, 7-11, 1-11, 11-8, 8-11) से हार गई थीं।

एक्टिंग के 50 साल पूरे होने पर भावुक हुए चिरंजीवी

साउथ सिनेमा का नाम सुनते ही कुछ चुनिंदा हीरोज के चेहरे दिमाग में घूमने लगते हैं। साउथ सुपरस्टार्स में गिने जाने वाले एक्टर चिरंजीवी ने अभिनय की दुनिया में 50 साल पूरे कर लिए हैं। इन जादुई 50 सालों में चिरंजीवी ने अपनी मेहनत के दम पर शोहरत और इज्जत का ऐसा मुकाम हासिल किया है, जो सिनेमा की दुनिया में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। साउथ सिनेमा से उठा से सितारा बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक छाया रहा और पूरी दुनिया में अपनी टैलेंट का सिक्का चलाया। चिरंजीवी के अचीवमेंट्स केवल सिनेमा जगत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राजनीति में एक भी एक खास पहचान रखते हैं।पद्मभूषण और पद्मविभूषण जैसे सम्मान हासिल करने वाले चिरंजीवी ने हाल ही में अपनी 50 साल पहले की एक प्ले की तस्वीर शेयर की है। चश्मा लगाए, सांवला और दुबला-पतला ये लड़का कभी इस खास मुकाम पर पहुंचेगा ये किसी से सोचा भी नहीं होगा। चिरंजीवी ने तेलुगु में भाषा में इस फोटो पर लिखा, %राजीनामा! रंगस्थलम के पहले प्ले की तस्वीर, वायएनएम कॉलेज नरसापुर। इस प्ले को लिखा था कोणा गोविंदा राव। इसी प्ले ने मुझे दुनिया में सबसे पहले पहचान दिलाई और बेस्ट एक्टर बनाया। इसके बाद से भरा कॉन्फिडेंस आज तक जारी है।

सिनेमाजगत में एक मिसाल है चिरंजीवी की यात्रा

चिरंजीवी की जिंदगी एक मिसाल के तौर पर देखा जाती है। 22 अगस्त 1955 को आंध्र प्रदेश के नरसापुर में जन्मे चिरंजीवी ने यहीं से कॉलेज किया था। कॉलेज के दिनों से ही उन्होंने एक्टिंग में दिलचस्पी ली और थियेटर करने लगे। कॉलेज के दिनों से ही काफी नाम कमा चुके चिरंजीवी ने 1978 में पुनारिद्धालु फिल्म के जरिए डेब्यू किया। इसके बाद चिरंजीवी की यात्रा लगातार जारी रही और चंद फिल्मों के बाद ही सुपरस्टार बन गए। चिरंजीवी ने अपने करियर में 176 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और बेस्ट एक्टर के तौर पर 9 बार फिल्म फेयर अवॉर्ड जीता। साउथ सिनेमा का सबसे प्रिस्टिजियस अवॉर्ड में गिना जाने वाले नंदी अवॉर्ड से भी चिरंजीवी को सम्मानित किया जा चुका है।

मैं रवीना टंडन जैसे लोगों से कभी बात नहीं करूंगी

अमृता सिंह ने मस्त मस्त गर्ल को दी थी गाली,

रवीना टंडन अपने करियर के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहीं। अक्षय कुमार के साथ उनके अफेयर और सगाई खूब चर्चित रही थी। दोनों ने 1990 के आखिर में सगाई की थी, और उनकी शादी भी होने वाली थी, पर बाद में ब्रेकअप हो गया। हालांकि, बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि रवीना का नाम सैफ अली खान के साथ भी जुड़ा था। तब सैफ शादीशुदा थे। अमृता सिंह से उनकी शादी हो चुकी थी। लेकिन जब अमृता के कानों में रवीना और सैफ के अफेयर की बात पहुंची, तो वह गुस्से से आगबबूला हो गई थीं। रवीना टंडन के 52वें बर्थडे पर सैफ के साथ उनके कथित अफेयर और अमृता के रिएक्शन के बारे में बता रहे हैं।

रवीना ने सैफ अली खान के साथ इम्तिहान, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, कीमत, परंपरा और पहला नशा जैसी फिल्मों में काम किया था। हालांकि, साथ काम करने के दौरान दोनों का नाम साथ जोड़ा जाने लगा था।

अमृता सिंह को लगी खबर तो भड़क गईं

यह बात अमृता सिंह को पता चली तो वह भड़क गईं। एक्ट्रेस ने 90 के दशक में सिनेब्लिट्ज नाम की मैगजीन को दिए इंटरव्यू में रवीना पर गुस्सा निकाला था, और गालियां भी दी थीं।

अमृता बिच हैं, सैफ का टेस्ट उससे अच्छा है

अमृता ने कहा था, रवीना बहुत ही रूड और चिड़चड़ी बिच है। वो और मैं कभी दोस्त नहीं रहे। मेरे पति सैफ और रवीना का अफेयर...क्या तुम वाकई सीरियस हो? मैं तो कहूंगी कि सैफ ज्यादा बुद्धिमान और दिमागदार हैं। रवीना टंडन से ज्यादा लाइफ में सैफ का टेस्ट अच्छा है।

उम्मीद मत करना कि रवीना जैसों से बात करूंगी

अमृता ने आगे कहा था, जब हम नासिक में साथ थे, तो रवीना ने मुझसे बिल्कुल भी बात नहीं की। अगर कोई मुझे विश नहीं करना चाहता, बात नहीं करना चाहता तो ये उसकी प्रॉब्लम है। मुझसे उम्मीद मत रखना मैं अपनी हद से बाहर जाकर रवीना जैसों से बात करूंगी। अगर मुझे और रवीना को एक ही कैटिगरी में रखा, तो मैं बहुत बुरा मान जाऊंगी।

रवीना को हुआ था दुख

अमृता सिंह के इस इंटरव्यू में तब सनसनी मचा दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे रवीना टंडन को भी बहुत दुख पहुंचा था। वह अमृता की ऐसी बातें सुनकर और उनका एटिट्यूड देख आहत थीं।

श्वेता तिवारी ने डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने फैंस को किया घायल

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने 44 साल की उम्र में भी खुद को 22 साल की लड़की जैसा मेंटेन कर के रखा हुआ है।श्वेता तिवारी ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस को दीवाना बना दिया है. श्वेता ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह मैरून डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की किलर पोज और उनकी जबरदस्त हॉटनेस ने फैंस को घायल कर दिया है. इन तस्वीरों में श्वेता ने लाइट मेकअप किया है, जो उनकी नेचुरल ब्यूटी को और भी निखार रहा है. खुले बालों के साथ उनके लुक ने चार चांद लगा दिए हैं. 44 साल की उम्र में भी श्वेता तिवारी का यह स्टाइलिश और फिटनेस अवतार फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है. एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।एक्ट्रेस की उम्र का उन पर कोई असर नजर नहीं आता, और उनके फैंस भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.श्वेता तिवारी का हर एक अंदाज काफी हटके होता है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका का हर एक लुक फैंस के बीच काफी ट्रेंड करने लगता है।

7 गोल्ड मेडल समेत 396 छात्रों को प्रदान की डिग्री

आईआईटियन्स ने अपनी अग्रणी खोज,वैज्ञानिक सोच,नवोन्मेषी एवं दूरगामी दृष्टिकोण से देश एवं दुनिया की प्रगति में दिया अपना विशेष योगदान

» आईआईटी भिलाई सामाजिक तौर पर प्रासंगिक अनुसंधान को दे रहा बढ़ावा...

» बहुत कम समय में, आईआईटी भिलाई ने छत्तीसगढ़ के लोगों के दिलों और दिमाग में अपनी जगह बनाईः राज्यपाल श्री रमेन डेका...

» विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प तकनीकी प्रगति से हो सकेगा संभवः मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

» राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आईआईटी भिलाई के तृतीय एवं चतुर्थ दीक्षांत समारोह में की शिरकत...

रायपुर,26 अक्टूबर 2024(ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज यानी 26 अक्टूबर को आईआईटी भिलाई पहुंची, जहां वे आई.आई.टी. भिलाई के तृतीय एवं चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के हाथों सात छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। राष्ट्रपति के मुख्य आतिथ्य में आईआईटी भिलाई का दीक्षांत समारोह संपन्न हो रहा है। यहां पर राष्ट्रपति के हाथों सात छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में 2023 और 2024 में स्नातक करने वाले 396 छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएगी। 2023 बैच के स्नातक छात्रों में 13 पीएचडी, 11 एमएससी, 27 एमटेक, 13 बीटेक (ऑनर्स) और 123 बीटेक स्नातक शामिल हैं। 2024 के स्नातक बैच में 8 पीएचडी, 20 एमएससी, 19 एमटेक, 12 बीटेक (ऑनर्स) और 150 बीटेक छात्र शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज आईआईटी भिलाई के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से भिलाई पहुचीं। राष्ट्रपति मुर्मु का हेलीपैड पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन आज राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित महाप्रभु भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु इस दौरान जगन्नाथ सेवा समिति के सदस्यों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने इस मौके पर मंदिर पहुंचे प्रदेश के जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठजनों से भेंट की। ओड़िसा के जगन्नाथ पुरी स्थित महाप्रभु भगवान श्री जगन्नाथ के पांव छत्तीसगढ़ के सोंढूर, पैरी और महानदी के त्रिवेणी संगम के तट पर स्थित प्रयाग नगरी राजिम में पड़े थे, जिसे वर्तमान में भगवान कुलेश्वर मंदिर के रूप में आज लाखों श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं। इसी की याद में गायत्री नगर में भी महाप्रभु भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर का निर्माण कराया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सीएम-राज्यपाल ने दी भावभीनी विदाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के बाद आज शाम विशेष विमान से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरूण साव, सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अशोक जुनेजा ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

जमीन नामांतरण की फाइल हुई गायब

» हाईकोर्ट ने तहसीलदार सहित अधिकारियों पर एफआईआर करने दिया निर्देश...

बिलासपुर,26 अक्टूबर 2024 (ए)। राजस्व रिकार्ड गायब होने के मामले में हाईकोर्ट ने सख्त रुख दिखाया है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रकरण में तहसीलदार और अन्य अधिकारियों को जिम्मेदार बताते हुए कार्रवाई करने के आदेश दिये हैं। कोर्ट ने कहा है कि मामले के जिम्मेदार कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज किया जाये। कोर्ट ने तत्कालीन तहसीलदार जयशंकर उरांव, रीडर एनके पांडे और जमीन खरीददार सुरेंद्र बहादुर सिंह पर एफआईआर का निर्देश दिया है। पूरा मामला पौंसरा गांव की 2.15 एकड़ जमीन के नामांतरण से जुड़ा है, जिसमें दस्तावेज गायब हो गये। कोर्ट ने दस्तावेज गायब होने गड़बड़ी का संकेत मानते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। दस्तावेज न मिलने पर आवेदक ने अवमानना याचिका दाखिल की थी। कोर्ट के आदेश पर तहसील कार्यालय में 15 दिन तक जांच चली। जांच के दौरान जमीन के कोई रिकॉर्ड नहीं मिल सके। जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रकरण में तहसीलदार और अन्य अधिकारी जिम्मेदार हैं। मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी।

नेता प्रतिपक्ष ने कही भड़काऊ बात

» इधर भाजपा ने किया पलटवार

रायपुर,26 अक्टूबर 2024(ए)। विवादित बयान की वजह से एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत सुर्खियों में आ गये हैं। राखड़ डंपिंग मामले महंत ने ग्रामीणों को भड़काते हुए कहा कि अब अति हो गया है, ट्रक ड्राइवरों को पीटें, तभी ये सुधरेंगें, ट्रकों के आठों पहिये की हवा निकाल दें। सक्ती में मीडिया से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि राखड़ डंपिंग से ग्रामीणों की परेशानी बढ गयी है। ट्रक से कहीं भी राखड़ गिराया जा रहा है। गड्ढे में डालने के लिए राखड़ का ठेका होता है, लेकिन ड्राइवर खेतों में, रास्तों में फेंककर चले जाते हैं।

डॉ. चरणदास महंत ने जिस अंदाज में बातें कही, उससे साफ है कि ग्रामीणों को वो कानून हाथ में लेने की समझाइश दे रहे है। महंत ने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन को घेरा तो ग्रामीणों को ही कानून हाथ में लेने की नसीहत दे डाली। नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा कि गांव के लोग राखड़ ठेकेदार और ट्रक ड्राइवर के साथ मारपीट करें, उनके ट्रकों के टायरों की हवा निकाल दें।

इधर, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के बयान पर भाजपा ने प्रतिक्रिया दी है। केदारनाथ गुप्ता ने निशाना साधते हुए कहा कि चरणदास महंत सुलझे हुए नेता है। कांग्रेस में एक बयांर सी चल रही है कि सरकार नहीं तो खींज उतारो और ऐसी खींज उतारो की जनता को उकसाया जाए, जिससे बलौदाबाजार में जैसा हुआ, लोहारीडीह कवर्धा में जैसा हुआ, वैसा काम किया जा सके। नेताओं को अपने बोल सुधारने चाहिए, राजनीति के लिए समाज में क्षेत्र में किसी प्रकार का उन्माद हो उसकी चिंता करना चाहिए आखिर उन्माद से जनसंहार होता है जनता को नुकसान होता है।

रेस्टोरेंट और ढाबों में अब खुलेंगे बार

» विभाग ने नियमों में किए ये बदलाव

» फैमिली रेस्तरा भी होगा अब बार

रायपुर,26 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के रेस्टॉरेंट और ढाबों को बार का लाइसेंस देने की तैयारी पूरी हो चुकी है। हालांकि 11 हजार करोड़ के आबकारी विभाग को इससे कोई बड़ा फायदा नहीं होने वाला है लेकिन मदिराप्रेमियों को सुविधा देने की दिशा में यह पहल हुई है। विभाग ने अब 10 कमरों की अनिवार्यता को समाप्त भी कर दिया है। पहले, बार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए रेस्टॉरेंट या ढाबे में कम से कम 10 कमरे होना आवश्यक था, लेकिन अब यह बाध्यता हटा दी गई है। प्रदेश में पक्ष और विपक्ष के बीच शराबबंदी को लेकर में लंबे समय से द्वंद होता रहा है। फिलहाल, खुले मन से सरकारी लाइसेंस देने का निर्णय किया गया है।

प्रदेश में आबकारी नीति के अंतर्गत अब 3 और 4 स्टार रेस्टॉरेंट के साथ ढाबों को बार लाइसेंस देने की तैयारी हो चुकी है। बार का लाइसेंस लेने के लिए संचालकों को 31 लाख रूपए की फीस भरनी होगी। नियम के मुताबिक एक लाख तक की आबादी वाले क्षेत्र में 18 लाख, तीन लाख की आबादी पर 24 लाख और उससे ज्यादा जनसंख्या पर 31 लाख रूपए की फीस निर्धारित है। सूत्रों की मानें तो आबकारी विभाग ने बड़े रेस्टॉरेंट और ढाबों में शराब परोसने का रास्ता खोल दिया है। सूत्र बताते है कि काउंटर के साथ-साथ लोगों की सुविधा बढ़ाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। विभाग में इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है, जल्द ही इसे लागू किया जाएगा।

ड्रग्स सप्लायर गिरोह का सरगना गिरफ्तार

सोशल मीडिया इंस्टा पर इसके 1 लाख फॉलोअर्स

बिलासपुर,26 अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ की बिलासपुर पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कार, मोबाइल सहित 42 लाख रुपए का माल जब्त किया गया है। पकड़े गए आरोपियों में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी शामिल है और वह गिरोह का सरगना है।

पुलिस ने बताया कि विक्रांत सरकार के सोशल मीडिया पर उसके एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और वह रायपुर का रहने वाला है। प्रतिबंधित दवाइयों के इस अवैध कारोबार में मेडिकल व्यवसायी भी शामिल हैं। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि, सिविल लाइन थाना पुलिस और साइबर सेल की टीम ने 26 सितंबर को जरहाभाटा के मिनी बस्ती निवासी कल्पना कुर्रे और एक नाबालिग को पकड़ा था। दोनों प्रतिबंधित दवाएं बेच रहे थे। आरोपियों के पास से 896 नशीली गोलियां बरामद हुईं।

इसी तरह 22 अक्टूबर को पुलिस ने जरहाभाटा की ही सृष्टि कुर्रे को गिरफ्तार किया। उसके पास से 150 प्रतिबंधित टैबलेट और इंजेक्शन जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे विक्रांत सरकार और रविशंकर मरकाम से ऑर्डर कर पार्सल के जरिए इन प्रतिबंधित दवाओं को मंगवाते थे

पुलिस जांच में पता चला कि विक्रांत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर होने के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक प्रोड्यूसर और डीजे भी चलाता है। उसके नाम पर फैन पेज बना है। उसने फार्मेसी की डिग्री भी ली है, जिसके नाम से वह थोक में प्रतिबंधित नशीली दवाइयां मंगाता था।

इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य जुटा कर दोनों आरोपियों विक्रांत और रविशंकर की तलाश शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दोनों बिलासपुर आ रहे हैं। इस पर उनको पकड़ने के लिए पुलिस ने घेराबंदी की और दोनों को धर दबोचा।

निगम-मंडल और स्वशासी संस्थाओं को मिलने वाली अतिरिक्त सुविधाओं पर लगी रोक

» वित्त विभाग ने जारी किया आदेश...

रायपुर,26 अक्टूबर 2024(ए)। वित्त विभाग ने तमाम मंडल, निगम और स्वशासी संस्थाओं को आदेश जारी किया गया है, जिसमें शासन के सहमति के बिना दी जा रही अन्य सुविधाओं पर तत्काल रोक लगाएं, साथ ही समीक्षा कर विभाग को जानकारी उपलब्ध कराने कहा गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि बिना शासन की अनुमति के निगम, मंडल और स्वशासी के कर्मचारियों को मिलने वाली अतिरिक्त सुविधाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए। कर्मचारियों को वेतन भत्ते समेत अन्य सुविधाएं राज्य शासन की ओर से दी जा रही है। राज्य शासन के अनुमति के बिना कोई भी अतिरिक्त सुविधाएं न दें।

बिजली के झटके से तीन हाथियों की मौत

रायगढ़,26 अक्टूबर 2024(ए)। जिले में एक दुखद घटना में तीन हाथियों की मौत हो गई है, जिससे वन विभाग में हड़कंप मच गया है. यह घटना घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के चुल्हकीमार जंगल में हुई है। जहां 11 केवी लाइन के तार टूट जाने के कारण करंट लगने से एक बड़ा हाथी, एक युवा हाथी और एक छोटे हाथी की जान चली गई है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जिला के डीएफओ घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। बताया कि यह घटना जंगल के बीच में बिछे बिजली के तारों के टूटने के कारण हुई, जिससे 3 हाथी करंट के चपेट में आ गए. वन अमला मौके पर मौजूद है और घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

कानून व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री का बड़ा बयान

नहीं बचेंगे अपराधी...

रायपुर,26 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की क़ानून व्यवस्था की स्थिति कों लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा की पुरे प्रदेश में क़ानून और व्यवस्था में सुधार हुआ है। जहां तक ऐसे अपराधी और शरारती तत्वों की बात है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री और ग्रहमंत्री पूरी घटनाओ कों अपने सज्ञान में लेकर ऐसे घटनाओं कों लेकर गंभीर है। ऐसी घटनाओं को लेकर जो सुनियोजित तरीके से करने की मंशा रखते है। उनके खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेंगी।

वही स्वास्थ मंत्री ने बलरामपुर की घटना को लेकर मृत परिवार के प्रति मेरी बेहद सवेदना जाहिर की , उन्होंने कहा की जो मृतक थे वो मेरे स्वास्थ्य विभाग से थे। मैं उनको अपनी ओर से श्रद्धांजलि देता हूं। और भगवान मृतक परिवार को इस दुख को सहने की क्षमता दे यह प्रार्थना करता हूं। आगे कांग्रेस के मृतक परिवार से मिलने पर स्वास्थ्य मंत्री नेकहा की कांग्रेस के लोग ऐसे शोक संकट परिवार के साथ मिलने जाएं इसमें कोईबड़ी बात नहीं है। लेकिन कोई राजनीतिक मंशा लेकर जाना तो यह गलत है।

सुकमा-बीजापुर जंगल में ड्रोन हमला

रायपुर,26 अक्टूबर 2024(ए)। सुकमा और बीजापुर जिले की सरहद पर बसें गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस फोर्स ने गांव पर ड्रोन से हमला किया है। हवाई बमबारी हुई है। हालांकि, इसमें किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। साक्ष्य के तौर पर ग्रामीणों ने फटे हुए बम की कुछ तस्वीर भी मीडिया को उपलब्ध करवाई है। वहीं एसपी का कहना है कि हमें कोई जानकारी नहीं है। दरअसल, जगरगुंडा और टेकलगुडेम इलाके में बसे पूवर्ती, गुंडम, भट्टीगुड़ा समेत आस-पास के गांव के ग्रामीणों ने पुलिस फोर्स पर आरोप लगाया है। गांव वालों का कहना है कि शुक्रवार को अलग-अलग इलाके में ड्रोन से बम गिराए गए हैं। बमबारी उस समय हुई थी जब गांव वाले जंगल गए हुए थे। बम गिरने के बाद बम फटे भी। लेकिन इसकी चपेट में कोई नहीं आया। गांव वालों ने मीडिया को जो तस्वीर भेजी है उसमें फटे हुए बम के अवशेष हैं। करीब 1 से डेढ़ फीट का गड्ढा है। गांव वालों का कहना है कि बमबारी से गांव के लोगों में काफी दहशत बनी हुई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)